04 - जीएसटी 2.0 : चुनौतियों के आगे उम्मीद वाला भविष्य

05 - सेविका समिति से शताब्दी तक की यात्रा

A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 29 सितंबर, 2025

06 - माँ गढ़ कालिका के आंगन में मातृशक्ति के उमड़े सैलाब से धारा...

07 - प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने जनप्रतिनिधियों के साथ गैरतगंज में...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 10 अंक 345, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

पश्चिम बंगाल : क्या दुर्गा पूजा सियासत में भारी पड़ रही हैं ममता ?

प्रभाकर मणि तिवारी

पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े त्योहार, दुर्गा पूजा, का राज्य विधानसभा चुनावों से पहले राजनीति से क्या जुड़ाव है, यह जानना ज़रूरी है। पश्चिम बंगाल का सबसे बड़ा त्योहार दुर्गा पूजा भी सियासत से अछूता नहीं रहा है। खासकर चुनावी साल से ठीक पहले वाली पूजा में तो सियासत का रंग बहुत गाढ़ा नजर आता है। तमाम राजनीतिक दलों के लिए यह जनसंपर्क और उसके जरिए अपने वोट बैंक को मजबूत रखने का सबसे बड़ा मौका होता है। इस बार भी अपवाद नहीं है।

अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सत्ता के दोनो दावेदार यानी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा भी पूजा को सियासी तौर पर भुनाने की कोशिश कर रही है। लेकिन पहले राउंड में तो बाजी ममता के हाथ ही रही है। बंगाल के वोटरों पर पकड़ बनाने के लिए ही भाजपा ने दो साल के अंतराल के बाद इस साल पूजा का आयोजन किया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पूजा पंडालों के उद्घाटन के मामले में इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वो कोलकाता और आसपास के इलाकों में करीब तीन हजार पंडालों का उद्घाटन करेंगी। कुछ का मौके पर पहुंच कर तो कुछ का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए।

पश्चिम बंगाल में वाममोर्चा के दौर में पूजा में सत्तारूढ़ पार्टी की सीधी भागीदारी नहीं होती थी। सुभाष चक्रवर्ती जैसे कुछ नेता निजी हैसियत से कुछ आयोजनों से जुड़े रहते थे। लेकिन नीतिगत वजहों से पार्टी ने इससे लगातार दूरी बनाए रखी थी।

वर्ष 2011 में सत्ता में आने के बाद ममता बनर्जी ने दुर्गा पूजा को सियासत का हथियार बनाना शुरू किया। उन्होंने तब कुछ पंडालों को उद्घाटन किया था और आधी रात तक विभिन्न पंडालों में घूमती रही थी।

हालांकि विपक्ष में रहने के दौरान बी ममता नियमित रूप से कोलकाता के कुछ पंडालों की परिक्रमा करती थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद इसका दायरा तेजी से बढ़ने लगा।

ममता ने उद्घाटन के साथ ही आयोजन समितियों को अनुदान देने और पूजा कार्निवास की परंपरा शुरू की थी। इसका भी पार्टी को फायदा मिला है। इस साल यह अनुदान बढ़ कर 1.10 लाख तक पहुंच गया है। सरकार ने चार हजार से ज्यादा आयोजन समितियों को अनुदान दिया है। इस अनुदान पर सवाल उठे हैं और इसके खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिकाएं बी दायर की गई थी। लेकिन ममता बनर्जी सरकार इस पर कृतसंकल्प है। इसके साथ ही हर साल आयोजकों को बिजली के बिल में भारी छूट भी दी जाती है।

दूसरी ओर, भाजपा ने भी अपने हिंदुत्व के एजेंडे के तहत पूजा के सियासी इस्तेमाल का फैसला किया था। बांग्ला राष्ट्रवाद के दबाव और खुद को बंगाल की अस्मिता से जोड़ने की कवायद के तहत ही अगले साल होने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा दो साल बाद फिर कोलकाता के साल्टलेक इलाके में ईस्टर्न जोनल कल्चरल सेंटर में इस साल दुर्गा पूजा आयोजित कर रही। 2019 के लोकसभा चुनाव में भारी कामयाबी के बाद पार्टी ने तब मुकुल राय के जरिए यहां पहली बार पूजा का आयोजन किया था। लेकिन 2021 के विधानसभा चुनाव में उसे इसका कोई फायदा नहीं मिल सका। वह लोकसभा के प्रदर्शन को दोहराने में नाकाम रही और उसे महज 77 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था। उसने उस साल और 2022 में तो किसी तरह पूजा आयोजित की थी। लेकिन 2023 और 24 में इसका आयोजन नहीं किया गया था।

लेकिन इस बार उसके नेता बहुत कम पंडालों में ही नजर आ रहे हैं। ऐसे में इस साल की पूजा पर तृणमूल नेताओं का ही वर्चस्व नजर आ रहा है। कोलकाता में भाजपा नेता सजल घोष ही एक बड़ा आयोजन करते हैं।

पश्चिम बंगाल में इस साल 45 हजार से ज्यादा पंडाल बनाए जा रहे हैं। इनमें से करीब साढ़े चार हजार अकेले राजधानी कोलकाता और उसके आस-पास हैं। कोलकाता में करीब सौ ऐसे पंडाल हैं, जिनका बजट 80 से 90 लाख के बीच है। इसके अलावा करीब एक दर्जन पंडालों का बजट तीन से पांच करोड़ के बीच रहता है। पहले दुर्गा पूजा षष्ठी से लेकर नवमी यानी चार दिनों तक ही मनाई जाती थी। लेकिन अब यह दस दिनों तक चलती है। राज्य के इस सबसे बड़े त्योहार पर सियासत का रंग लगातार चटख होता रहा है। वाममोर्चा के दौर में भी कई नेता विभिन्न पूजा समितियों के साथ जुड़े थे। लेकिन वर्ष 2011 में तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद सियासत का रंग और गहरा हो गया।

राज्य में दुर्गा पूजा का टर्नओवर हर साल बढ़ता ही जा रही है। एक अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 2013 में यह आंकड़ा करीब 25 हजार करोड़ था। मोटे अनुमान के मुताबिक, बीते साल यह टर्नओवर 80 हजार करोड़ तक पहुंच गया। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स पहले ही अनुमान जता चुका है कि 2030 तक दुर्गा पूजा का टर्नओवर एक लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा।

(सत्य हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

ठान लीजिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे

- मन की बात में पीएम मोदी ने आम जनता से की अपील
- कहा-इस बार त्योहारों में सिर्फ स्वदेशी सामान ही खरीदें
- सागर परिक्रमा करने वाली दो महिला अफसरों से की चर्चा
- छठ पूजा का जिक्र, भगत सिंह, लता मंगेश्कर को किया याद

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो शो मन की बात के 126वें एपिसोड में फेस्टिव सीजन, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल पर बात की। पीएम ने कहा- इस बार त्योहारों में स्वदेशी सामान ही खरीदें। ठान लीजिए, हमेशा के लिए, जो देश में तैयार हुआ है, वही खरीदेंगे। इसके अलावा पीएम ने दशहरा और छठ पर्व पर भी बात की। मोदी ने कहा- भारत सरकार छठ पर्व को यूनेस्को की लिस्ट में शामिल करने पर काम कर रही है। इसके बाद पूरी दुनिया में पर्व की भव्यता फैलेगी। कार्यक्रम की शुरुआत, भगत सिंह- लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि पीएम ने कहा- आज लता मंगेशकर की जयंती है। भारतीय संस्कृति और संगीत में रुचि रखने वाला कोई भी उनके गीतों को सुनकर अभिभूत हुए बिना नहीं रह सकता। उनके गीतों में वो सब कुछ है जो मानवीय संवदेनाओं को झकझोरता है। मराठी सुगम संगीत की महान हस्ती सुधीर फड़के जी ने सबसे पहले लता दीदी से मेरा परिचय कराया था।

अद्‌भुत है आरएसएस की एक शताब्दी की यात्रा

आरएसएस को लेकर इस बार विजयादशमी एक और वजह से बहुत विशेष है। इसी दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 साल हो रहे हैं। एक शताब्दी की ये यात्रा जितनी अद्‌भुत है, अभूतपूर्व है, उतनी ही प्रेरक है। आज से 100 साल पहले जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी, तब देश सदियों से गुलामी की जंजीरों में बंधा था। सदियों की इस गुलामी ने हमारे स्वाभिमान और आत्मविश्वास को गहरी चोट पहुंचाई थी।

- **हमारे पर्व, त्योहार भारत की संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं**-हमारे पर्व, त्योहार भारत की संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं। छठ पूजा ऐसा एक पावन पर्व है जो दीवाली के बाद आता है। सूर्य देव को समर्पित यह महापर्व बहुत ही विशेष है। इसमें हम डूबते सूर्य को भी अर्ध्य देते हैं, उनकी आराधना करते हैं। छठ ना सिर्फ देश के अलग -अलग हिस्सों में मनाई जाती है, बल्कि दुनिया भर में इसकी छटा देखने को मिलती है। आज ये एक ग्लोबल फेस्टिवल बन रहा है। मुझे आपको ये बताते हुए बहुत खुशी है कि भारत सरकार भी छठ पूजा को लेकर एक बड़े प्रयास में जुटी है। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती है। गांधी जी ने हमेशा स्वदेशी को अपनाने पर बल दिया और इनमें खादी सबसे प्रमुख थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद, खादी की रौनक कुछ फीकी पड़ती जा रही थी।

सप्तम मां कालरात्रि

मां के सप्तम रूप का नाम है माँ कालरात्रि। यह मां का अति भयावह व उग्र रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और कोई दूसरा नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व को समर्पित है। देवी मां का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है।

सुप्रभात

जिस जगह पर आती हैं मेरी चिट्ठी-पत्रियाँ
अड़ोसी-पड़ोसी,दोस्त, रिश्तेदार
गैस सिलेंडर बिजली का
बिल आता है मेरे नाम
इसी पते पर
इसी पते के घर में आई थी
दुल्हन बनकर मेरी पत्नी
इसी पते के घर में
मेरे बेटे ने जब भरी थी
पहली-पहली किलकारियाँ
कुछ पलों के लिए
गुम हो जाती थीं मेरे पिता के
चहरे की झुर्रियां

यही पता दर्ज है मेरे आधार
कार्ड मतदान पहचान-पत्र पर
और क्या सबूत दूँ
कि मैं यहीं रहता हूँ

लेक़िन डरता हूँ कि पता नहीं
कब करार दिया जाऊँ
कि मैं यहाँ नहीं रहता हूँ
कि मेरे तमाम दस्तावेज़ जाली हैं।

-वसंत सकरगाए

पीओके में बढ़ी हलचल कुछ बड़ा होने वाला है!

एक्शन कमेटी के लॉकडाउन की घोषणा से टेंशन में पाकिस्तान

- मुनीर की आर्मी भी हो गई है ऐक्टिव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर (पीओजेके) में लोगों के गुस्से और प्रदर्शनों से तनाव बढ़ता जा रहा है। नीलम वैली पब्लिक एक्शन कमेटी के नेता शौकत नवाज मीर ने जनता की मांगों को लेकर क्षेत्र को पूरी तरह से बंद करने (लॉकडाउन) की घोषणा की है। एक तरफ पीओके के लोगों ने सोमवार के लॉकडाउन से पीछे नहीं हटने की बात कही है। वहीं दूसरी ओर पाक सरकार और सेना इस आंदोलन को बलपूर्वक कुचलने के लिए तत्पर दिख रही है। सुरक्षाबल फ्लैगमार्च कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी

कांकेर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। रविवार को छिंदखड़क जंगल में सुरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। मारे गए नक्सलियों पर 14 लाख रुपये का इनाम था। कांकेर-गरियाबंद डीआरजी और बीएसएफ ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया था।

सबका विकास हमारा संकल्प, हर वादा करेंगे पूरा : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ग्राम जगदीशपुर में स्व-सहायता समूहों की दीदियों के साथ प्रधानमंत्री की मन की बात कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार सबके समग्र विकास का ध्येय लेकर आगे बढ़ रही है। किसान, गरीब, युवा, महिलाओं के कल्याण एवं विकास के लिए पृथक-पृथक मिशन चलाये जा रहे हैं। सबका विकास हमारा संकल्प है और इस संकल्प की पूर्ति के लिए हम अपना हर वादा पूरा करके

- **सभी को स्वदेशी संकल्प की शपथ दिलाई, स्वदेशी उत्पाद भी खरीदे**

दिखायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल जिले की बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जगदीशपुर में राज्य संरक्षित स्मारक समूह स्थल चमन महल में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम के 126वें एपिसोड का स्थानीय स्व-सहायता समूहों की दीदियों के साथ श्रवण किया।

भोपाल की पुरानी राजधानी जगदीशपुर किले में पहुंचे सीएम बोले- यहां बहुत पहले आना चाहिए था

पीएम के संबोधन के बाद सीएम ने कहा-आज जगदीशपुर में हमने ये मन की बात सुनी। भोपाल राजधानी की शुरुआत यहीं जगदीशपुर से हुई थी। गौंडवाना साम्राज्य का ये किला उस काल से अलग छटा लेकर आया। मैं भी पहली बार यहां आया। यहां मुझे बहुत पहले आना चाहिए था। लेकिन इतने बड़े राज्य में नीचे तक जाकर अपने खुद के पुराने भोपाल की राजधानी जगदीशपुर देखकर आनंद आया। यहां बहुत संभावनाएं हैं। चारों तरफ खूबसूरती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीणों को स्वदेशी संकल्प की शपथ दिलाई और अपील की कि सभी अपने जीवन में अधिकतम भारतीय उत्पादों का उपयोग करें और आयातित वस्तुओं की जगह देशी विकल्प अपनाएं। साथ ही पर्यावरण के प्रति सजग रहकर स्वदेशी और प्रकृति-अनूकूल उत्पादों का ही प्रयोग करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को नवरात्रि पर्व, दशहरा और दीपावली त्यौहारों की अग्रिम मंगलकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि त्यौहारों में सिर्फ स्वदेशी और भारत में निर्मित वस्तुएं ही खरीदें। इससे हर घर में त्यौहार मनेगा। मुख्यमंत्री ने हर घर स्वदेशी और घर-घर स्वदेशी का नारा उद्घोष करते हुए कहा कि सभी को स्वदेशी अपनाने के लिए संकल्पित कराया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुएं खरीदने से ही हमारे सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। इसी से हमारे कुशल कारीगर, शिल्पकार और कुम्भकारों के घरों में भी दीपावली मनेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को भावांतर योजना की जानकारी देते हुए कहा कि वे 5 से 25 अक्टूबर तक पंजीयन करा लें। फिर 1 नवम्बर से 31 जनवरी 2026 के दौरान बेची गई सोयाबीन की फसल पर ही भावांतर योजना का लाभ मिलेगा। यदि किसी किसान की सोयाबीन की फसल समर्थन मूल्य 5328 रुपये प्रति क्विंटल पर नहीं बिकती, तो जितनी राशि में बिकी है और समर्थन मूल्य के बीच के अंतर की राशि सरकार किसान को देगी। इस प्रकार किसानों को सोयाबीन की फसल बेचने पर समर्थन मूल्य 5328 रुपये प्रति क्विंटल की राशि ही मिलेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पहली बार ग्राम जगदीशपुर आकर बेहद हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि गोंडवाना साम्राज्य का सदियों पुराना यह किला आज भी हमें उस गौरवशाली अतीत की याद दिलाता है।

बिहार चुनाव और उपचुनाव की शुरू हो गई तैयारी

- तैनात होंगे 320 आईएएस और 60 आईपीएस अधिकारी
- 470 सेंट्रल ऑब्जर्वर भी नियुक्त

पटना/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में होने वाले उपचुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों (जनरल, पुलिस और व्यय) की तैनाती की घोषणा की है। चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव और उपचुनाव के लिए विभिन्न राज्यों में कार्यरत 470 अधिकारी केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मेदारी निभाएंगे। निर्वाचन आयोग ने बताया कि 470 वरिष्ठ अधिकारियों में 320 आईएएस अधिकारी, 60 आईपीएस अधिकारी, 90 आईआरएस, आईआरएएस आईसीएएस और अन्य सेवाओं से अधिकारी शामिल होंगे। ये सभी अधिकारी विभिन्न राज्यों में केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर जिम्मेदारी निभाएंगे। निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक, बिहार विधानसभा चुनाव के अलावा कश्मीर, राजस्थान, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओडिशा में उपचुनाव होने वाले हैं। निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक, जम्मू और कश्मीर की बडगाम और नगरोटा सीट पर उपचुनाव होगा। इसके साथ ही राजस्थान की अंता सीट, झारखंड के घाटशिला सीट, तेलंगाना के जुबली हिल्स सीट, पंजाब की तरनतारन सीट, मिजोरम की डम्पा विधानसभा सीट, ओडिशा की नुआपाड़ा सीट पर उपचुनाव होगा। बिहार चुनाव और उपचुनाव में ये जनरल और पुलिस ऑब्जर्वर निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करेंगे। साथ ही व्यय पर्यवेक्षक उम्मीदवारों के चुनावी खर्च पर नजर रखेंगे। सभी पर्यवेक्षक आयोग को समय-समय पर रिपोर्ट देंगे और सुधारात्मक सुझाव प्रस्तुत करेंगे। इन पर्यवेक्षकों की तैनाती का उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष करना है।

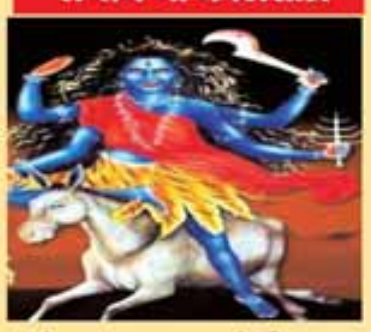

बंगाल में दुर्गा पूजा पंडाल में ट्रंप को बनाया महिषासुर

पूजा समिति बोली-ट्रंप ने पीएम मोदी को धोखा दिया इसलिए वे राक्षस हैं

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बहरामपुर में खागड़ा क्रेमेटोरियम घाट दुर्गा पूजा समिति ने दुर्गा पूजा पांडाल में महिषासुर को डॉनल्ड ट्रंप का रूप दिया है। समिति ने बताया कि ट्रंप के रूप को इस वजह से चुना गया है क्योंकि वे मानते हैं कि ट्रंप ने भारत को धोखा दिया है। समिति ने कहा कि भारत पर लगाए गए टैरिफ को वह एक धोखा मानते हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रंप को अपना मित्र समझते थे। महिषासुर को ट्रंप का रूप देने वाले कलाकार का नाम आसिम पाल है। मूर्ति का अनावरण बहरामपुर नगरपालिका के मेयर नारण गोपाल मुखर्जी ने किया। उद्‌घाटन के बाद से ही मूर्ति को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। दरअसल, ट्रंप ने हाल ही में भारत पर कई टैरिफ लगाया

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 29 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

हैदराबाद में भारी बारिश, कई कॉलोनियां पानी-पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। यहां भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। पालघर में देर रात बिजली गिरने की घटना में 6 लोग घायल हो गए। वहीं हैदराबाद में 26 सितंबर को एक दिन में 194.1 मिमी वर्षा हुई, जो सामान्य 38.2 मिमी से 408 फीसदी ज्यादा थी। लगातार बारिश और उस्मान सागर व हिमायत सागर से पानी छोड़े जाने के कारण मूसी नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। आसपास रिहायशी कॉलोनियों में पानी भर गया। 1000 लोगों का रेस्क्यू किया गया। इधर, पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा उत्सव पर भी बारिश का साया मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 1 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में नया लो प्रेशर क्षेत्र बनेगा, जिससे अगले सात दिन तक दक्षिण बंगाल के कई जिलों में बारिश होगी।

दिल्ली एयरपोर्ट,और अन्य संस्थानों को मिली धमकी

बम से उड़ाने का भेजा ईमेल संदेश,जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट, स्कूलों और कई अन्य संस्थानों को एक बार फिर से बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दिल्ली पुलिस को इस मामले में धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। जांच शुरू कर दी गई है। बता दें कि इससे पहले भी कई बार स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। हालांकि, हर बार यह ईमेल और कॉल अफवाह साबित हुई है। दिल्ली अग्निशमन

सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि नोएडा स्थित सीआरपीएफ पब्लिक स्कूल और कुतुब मीनार के पास स्थित सर्वोदय विद्यालय सहित दिल्ली के दो स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल मिले थे, जो कि बाद में अफवाह निकला। वहीं एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि पुलिस दल, दमकलकर्मी और बम निरोधक इकाइयों को तुरंत प्रभावित स्कूलों में तैनात किया गया ताकि उचित तलाशी अभियान चलाया जा सके। हालांकि, कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। इस बीच, जम्मू एयरपोर्ट पर भी रविवार को बम की धमकी मिली। एक निजी एयरलाइनर को धमकी वाला ईमेल मिला है।

बड़ा स्वाभिमानी है भारत निर्णय लेने में भी सक्षम

यूएन के मंच से रूस ने की भारत की जमकर तारीफ

जिनेवा (एजेंसी)। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ के बावजूद रूस के साथ तेल व्यापार पर भारत के रुख का पुरजोर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि भारत ऐसे मामलों पर स्वयं निर्णय लेने में पूरी तरह सक्षम है। लावरोव ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की सराहना करते हुए भारत के आत्म-सम्मान की तारीफ की। लावरोव ने कहा कि जयशंकर के साथ अपनी नियमित बातचीत में वह कभी भी तेल और व्यापार का मुद्दा नहीं उठाते हैं, क्योंकि भारत इन फैसलों को खुद लेने में पूरी तरह सक्षम है। लावरोव ने जयशंकर के एक बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर अमेरिका तेल बेचना चाहता है तो

भारत अपनी शर्तों पर चर्चा करेगा, लेकिन रूस या अन्य देशों से भारत क्या खरीदता है, वह उसका अपना मामला है और इसका भारत-अमेरिका एजेंडे से कोई लेना-देना नहीं है। लावरोव ने इस प्रतिक्रिया को बहुत योग्य बताते हुए कहा कि यह दर्शाता है कि भारत, तुर्की की तरह, आत्म-सम्मान रखता है। लावरोव ने पुष्टि की कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल दिसंबर में भारत की यात्रा की योजना बना रहे हैं। उन्होंने भारत-रूस संबंधों की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देशों का द्विपक्षीय एजेंडा बहुत व्यापक है। लावरोव का यह समर्थन ऐसे समय में आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है, और ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50 फीसदी शुल्क लगाया है।

अवैध घुसपैठियों पर सख्त हुई असम की सरकार

पुलिस का ऐक्शन, 24 बांग्लादेशियों को किया डिपोर्ट

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि कछार जिले में पुलिस ने 24 बांग्लादेशियों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया है और उन्हें पड़ोसी देश वापस भेज दिया गया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि असम घुसपैठियों की पहचान

करना और उन्हें वापस भेजना जारी रखेगा। मुख्यमंत्री सरमा ने शनिवार रात एक एक्स पोस्ट में कहा, असम हमेशा उन खोए हुए यात्रियों की सेवा में है जो हमारे राज्य को अपने देश के रूप में समझ लेते हैं और हम उन्हें तुरंत उनके मातृभूमि बांग्लादेश वापस भेज देंगे। उन्होंने एक हिंदी गीत की पंक्तियों को बदलते हुए लिखा, घर लौट जा परदेसी, तेरा देश तुझे पुकारे।

भारत के अनंत शस्त्र ने उड़ाई दुश्मन देशों की नींद

● भारतीय सेना ने जारी किया टेंडर, गजब की हैं खासियतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना ने स्वदेशी अनंत शस्त्र क्विक रिएक्शन सरफेस-टू-एयर मिसाइल सिस्टम की तीन रेजीमेंट्स की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसकी लागत लगभग 30 हजार करोड़ रुपये है। इस सिस्टम को डीआरडीओ ने तैयार किया है, जो 30 किलोमीटर से अधिक दूरी पर विमानों, हमलावर हेलीकॉप्टरों, ड्रोनों, रॉकेटों और मिसाइलों का पता लगाकर उन्हें नष्ट कर सकता है। सेना ने इसी हफ्ते इसके लिए टेंडर जारी किया। पाकिस्तान के साथ मई 7 से 10 तक सीमा पर चली तनातनी के बाद यह कदम उठाया गया है। ऐसे में इसे रक्षा के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। अनंत शस्त्र क्यूआरएसएएम सिस्टम को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और भारत डायनामिक्स जैसे रक्षा पीएसयू के सहयोग से बनाया जाएगा। इस प्रणाली में 360 डिग्री रडार, जैमिंग शील्ड, मोबाइल लॉन्चर और ऑल-वेदर ट्रैकिंग सिस्टम शामिल हैं, जो 8×8 उच्च गतिशील वाहनों पर स्थापित हैं। यह सिस्टम टैंकों, पैदल सेना के युद्धक वाहनों और तोपखाने की तोपों को हवाई हमलों से सुरक्षा देगा। सेना को लंबे समय में ऐसी 11 रेजीमेंट्स की जरूरत रही

है। वायुसेना तीन स्क्वाड्रन को शामिल करने की तैयारी में है। क्यूआरएसएएम सिस्टम अपनी खोज, ट्रैक और कम समय में फायर की क्षमता से लैस है।

हैरान कर रही जश्न के मातम में बदलने की कहानी

करूर में चप्पलों के ढेर और टूटे खंभे बयां कर रहे लोगों का दर्द

करूर (एजेंसी)। बिखरी पड़ी चप्पलें, पिचकी हुई पानी की बोतलें, टूटे खंभे और बिखरे कागज-उस भयानक पल की गवाही दे रहे थे, जिसने कई जिंदगियों को निगल लिया और जश्न को मातम में बदल दिया। सुबह की सैर पर निकले लोग और दूध-सब्जी लेने निकले राहगीर जब तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय की बीती रात हुई रैली के स्थल से गुजरे तो वहां पसरे सन्नाटे और बिखरे सामान को देखकर स्तब्ध रह गए। कोई समझ नहीं पा रहा था कि आखिर रात में ऐसा क्या हुआ जिसने यह भयावह दृश्य अपने पीछे छोड़ दिया। पुलिस ने घटनास्थल को 'कृपया पार न करें' चेतावनी वाली टेप से घेर कर आम लोगों के लिए पूरी तरह बंद कर दिया है। जिन्होंने रात को टीवी नहीं देखा या जल्दी सो गए, वे लोग सुबह यह जानकर स्तब्ध रह गए कि इस कार्यक्रम में इतने लोग मर गए हैं।

- **पीएमओ ने प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया-** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करूर हादसे में मारे गए हर व्यक्ति के परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे। यह जानकारी पीएमओ के एक्स हैंडल से शेयर की गई है।
- **सीएम स्टालिन ने मृतकों के परिजन को 10 लाख देने की घोषणा की-** मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिवारों को 10 लाख और अस्पतालों में इलाज करा रहे घायलों को 1 लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। स्टालिन ने बताया कि राज्य सरकार ने भगदड़ की परिस्थितियों की जांच के लिए रिटायर्ड जज अरुणा जगदीशन की अध्यक्षता में एक आयोग बनाने की घोषणा की है। तमिलनाडु के डीजीपी जी. वेंकटरमन ने बताया कि हमारा इरादा किसी को दोष देने का नहीं है, हम सिर्फ तथ्य बता रहे हैं।

गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मांगी रिपोर्ट

हादसे के बाद गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार से मामले को लेकर रिपोर्ट मांगी है। दरअसल, एक्टर विजय ने 2 फरवरी 2024 को टीवीके बनाई। विधानसभा चुनाव 2026 में उतरने की घोषणा की। इसके चलते राज्यभर में रैलियां कर रहे हैं। करूर में भी इसी मकसद से रैली रखी गई। रैली के लिए 10 हजार लोगों की परमिशन थी। 50 हजार की भीड़ जमा हो गई। गृहमंत्रालय ने राज्य सरकार से पूछा है कि जब 10 हजार लोगों की परमीशन थी तो 50 हजार लोगों को कैसे पहुंचने दिया गया। करूर का प्रशासन उस समय क्या कर रहा था। होम मिनिस्ट्री ने राज्य सरकार से जांच को लेकर भी सवाल किया है।

विजय बोले- दर्द बयां करने शब्द नहीं, मृतकों को 20-20 लाख देंगे

एक्टर विजय ने लिखा- कल करूर में जो हुआ, उसके बारे में सोचकर, मेरा दिल और मन भारी है। अपनों को खोने के दु:ख के बीच, मेरे पास अपने दिल का दर्द बयान करने के लिए शब्द नहीं हैं। मेरी आंखें और मन दु:ख से घिरे हुए हैं।

आप सभी के चेहरे, जिनसे मैं मिला हूं, मेरे मन में बार-बार आते हैं। जितना ज्यादा मैं उनके बारे में सोचता हूं, उतना ही मेरा दिल मुझसे दूर जा रहा है। मेरे प्रियजन...यह वाकई में हमारे लिए एक अपूरणीय क्षति है। चाहे कोई, कितने ही सांत्वना के शब्द कहे, अपनों का जाना असहनीय है। फिर भी, आपके परिवार का सदस्य होने के नाते मैं उन सभी परिवारों को 20 लाख और घायलों को 2 लाख की सहायता प्रदान करना चाहता हूं जो इलाज करा रहे हैं। बेशक, इतने बड़े नुकसान को देखते हुए यह राशि कोई खास मायने नहीं रखती। फिर भी, इस समय मेरा यह कर्तव्य है कि मैं आपके साथ खड़ा रहूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हमारे सभी प्रियजन जो घायल हैं और इलाज करा रहे हैं, वे जल्द स्वस्थ होकर घर लौट आएं। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि हम आपके साथ हैं।

ईडी जल्द कुछ क्रिकेटर-अभिनेताओं की संपत्ति करेगी जब्त, हुआ फैसला

● सट्टेबाजी एप के प्रचार का मामला, युवराज सिंह, रैना और सोनू सूद समेत कई से पूछताछ हो चुकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही कुछ खिलाड़ी और अभिनेताओं की करोड़ों की संपत्तियां जब्त करने जा रहा है। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत ऑनलाइन बेटिंग एप के प्रमोशन मामले में होगी। ऑफिशियल सोर्स ने न्यूज एजेंसी को बताया कि एप से मिले एडवर्टाइजमेंट पैसों का इस्तेमाल कुछ सेलिब्रिटीज ने अलग-अलग तरह की संपत्ति खरीदने में किया है। ऐसे में इन्हें प्रोसीड्स ऑफ क्राइम यानी अपराध से कमाई गई संपत्ति माना गया है। ईडी जल्द ही सेलिब्रिटीज की इन चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने का आदेश जारी करेगी।

पिंक पावर रन 2.0% में स्तन कैंसर के खिलाफ एकजुटता

हैदराबाद। स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित पिंक पावर रन 2025 के दूसरे संस्करण में रविवार को 20 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौड़ का आयोजन सुधा रेड्डी फाउंडेशन ने किया, जिसमें मशहूर हस्तियों, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने एकजुट होकर स्वास्थ्य और जागरूकता का संदेश दिया।

दौड़ की शुरुआत सुधा रेड्डी, लिएंडर पेस, मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन की चेयरपर्सन जूलिया मॉरले और मिस वर्ल्ड 2025 ओपल सुचाता चुआंगसरी ने हरी झंडी दिखाकर की। मिस इंडिया वर्ल्ड नंदिनी गुप्ता समेत कई देशों की मिस वर्ल्ड प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। विजेताओं को कुल 15 लाख से अधिक के नगद पुरस्कार दिए गए।

कार्यक्रम में फिटनेस वर्कशॉप, कैंसर सर्वाइवर्स की कहानियाँ और सोशल मीडिया चैलेंजेज़ भी शामिल रहे।

अब इस अभियान को 'पिंक पावर रन- बियॉन्ड बॉर्डर्स' नाम से 2026 में 140 देशों में ले जाने की तैयारी है। यह पहल मिस वर्ल्ड की 75वीं वर्षगांठ का भी हिस्सा होगी।

लद्दाख हिंसा के लिए सीआरपीएफ है जिम्मेदार

सोनम वागंचुक की पत्नी बोलीं-कानूनी कार्रवाई करेंगी

लेह (एजेंसी)। जेल में बंद सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने पति पर पाकिस्तान से जुड़े होने के आरोपों का खंडन किया है। न्यूज एजेंसी से उन्होंने रविवार को कहा कि वांगचुक ने हमेशा गांधीवादी तरीके से प्रदर्शन किया है और 4 सितंबर की हिंसा के लिए सीआरपीएफ जिम्मेदार है। अंगमो ने स्पष्ट किया कि उनके पति की पाकिस्तान की यात्राएं जलवायु परिवर्तन से जुड़ी थीं। कहा

कि हम संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित सम्मेलन में गए थे। हिमालय के ग्लेशियर के पानी में हम भारत या पाकिस्तान नहीं देखते। गीतांजलि अंगमो हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव लर्निंग (एचआईएएल) की सह-संस्थापक हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने पति से संपर्क नहीं कर पाई हैं। गिरफ्तारी का आदेश अभी तक नहीं मिला है और वे कानूनी कार्रवाई करेंगी। शुक्रवार को लद्दाख डीजीपी ने कहा था कि सोनम वांगचुक पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव के संपर्क में थे। इसे पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था।

17 छात्राओं से यौन शोषण का आरोपी चैतन्यानंद अरेस्ट

उम्र-62,अमेरिका से पीएचडी,आगरा के होटल में छिपा था

आगरा (एजेंसी)। दिल्ली में शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट की 17 छात्राओं से यौन शोषण का आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती आगरा में छिपा था। दिल्ली पुलिस ने रविवार तड़के 3 बजे दबिश देकर चैतन्यानंद को अरेस्ट किया और उसे दिल्ली लेकर गई। वसंत कुंज पुलिस स्टेशन में उससे पूछताछ चल रही है। दिल्ली पुलिस ने चैतन्यानंद के पास से 2 फर्जी विजिटिंग कार्ड बरामद किए हैं। एक कार्ड में उसे संयुक्त राष्ट्र में स्थायी राजदूत और दूसरे में ब्रिक्स संयुक्त आयोग का सदस्य और भारत का विशेष दूत बताया गया है। चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी स्वामी 5 अगस्त को एफआईआर दर्ज होने के बाद से फरार चल रहा था। उसकी तलाश में दिल्ली, हरियाणा, यूपी, उत्तराखंड और बिहार में छापेमारी भी की जा रही थी। वह देश छोड़कर न भाग जाए, इसके लिए पुलिस ने लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। आरोप है कि चैतन्यानंद (62 साल) लड़कियों को फिजिकली भी अब्यूज करता था। पीरियड्स के वक्त भी नहीं छोड़ता था। वह देर रात उन्हें कमरे में बुलाता, न आने पर कम नंबर देने की धमकी देता। उसने हॉस्टल रूम में भी सीसीटीवी लगवा रखा था। इन सब में इंस्टीट्यूट की तीन महिला वॉर्डन भी शामिल थीं। वे लड़कियों से चैतन्यानंद के भेजे मैसेज डिलीट कराती थीं। हालांकि, कुछ लड़कियों ने चैट के स्क्रीनशॉट सेव कर लिए थे, जो सबूत बने। होटल फर्स्ट के कर्मचारी भरत ने बताया- बाबा एक मिलने वाले के जरिए होटल में 27 सितंबर को आया। शाम 4 बजकर 2 मिनट पर बाबा ने चेक इन किया। उसने अपना नाम पार्थ सारथी लिखवाया।

अब दक्षिण कोरिया ने अमेरिका को दे दिया है जोरदार झटका

● 350 अरब डॉलर का निवेश करने से इनकार,डोनाल्ड ट्रंप लगाएंगे टैरिफ?

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया ने अमेरिका को झटका देते हुए 350 अरब डॉलर का निवेश करने से इनकार कर दिया है। दक्षिण कोरिया की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका में 350 अरब डॉलर के निवेश को लेकर दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच बातचीत मुश्किल स्थिति में पहुंच गई है। रॉयटर्स ने सियोल के राष्ट्रपति सलाहकार के हवाले से शनिवार को बताया है कि दक्षिण कोरिया, अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करने में असमर्थ है। डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ कम करने को लेकर दक्षिण कोरिया के सामने अमेरिका में 350 अरब डॉलर का निवेश करने की शर्त रखी थी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार वाई सुंग-लाक ने चैनल ए न्यूज टेलीविजन से बात करते हुए कहा है कि, हम जिस स्थिति की बात कर रहे हैं, वह कोई बातचीत की रणनीति नहीं है, बल्कि व्यावहारिक रूप से वह उस स्तर की नहीं है जिसे हम संभाल सकें। उन्होंने कहा कि हम 350 अरब डॉलर नकद भुगतान करने में सक्षम नहीं हैं।

चोरल रेंज में अवैध लकड़ी से भरा वाहन जब्त

इंदौर। चोरल रेंज की तलाई सब रेंज में वन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध लकड़ी परिवहन करने वाले वाहन को पकड़ा। जानकारी के अनुसार एमपी 09 जीएच 0319 नंबर का वाहन बड़वाह से आ रहा था, जिसमें पंच मेल चिरान भरी हुई थी। वाहन चालक के पास लकड़ी परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज़ नहीं मिले।

गुप्त सूचना पर डिप्टी रेंजर अमित निगम, वनरक्षक लीला कृष्ण शर्मा और विभागीय स्टाफ ने संयुक्त कार्रवाई की। जांच के दौरान जब चालक से दस्तावेज़ मांगे गए, तो वह कोई भी प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वन विभाग ने नियमों के तहत वाहन को जब्त कर लिया। विभाग का कहना है कि अवैध कटाई और परिवहन रोकने के लिए इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

इंदौर से खडकी और इंदौर से हजरत निजामुद्दीन के बीच स्पेशल ट्रेन चलेगी

इंदौर-खडकी ट्रेन 9-9 फेरे, हजरत निजामुद्दीन 18-18 फेरे लगाएगी

इंदौर। त्योहारों के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे ने इंदौर से खडकी एवं इंदौर से हजरत निजामुद्दीन के बीच स्पेशल ट्रेन का परिचालन स्पेशल किराए पर किया जाएगा। इंदौर-खडकी-इंदौर (स्पेशल) दोनों दिशाओं में 9-9 फेरे चलेगी। इसके अलावा इंदौर-हजरत निजामुद्दीन-इंदौर द्विसाप्ताहिक स्पेशल दोनों दिशाओं में 18-18 फेरे लगाएगी। गाड़ी संख्या 09324/09323 इंदौर-खडकी-इंदौर स्पेशल गाड़ी (09324) इंदौर-खडकी स्पेशल, इंदौर से 1 अक्टूबर से 26 नवंबर तक चलेगी। यह ट्रेन इंदौर से प्रति बुधवार को 11.15 बजे चलेगी तथा अगले दिन 3.10 बजे खड़की रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का देवास (11.50/11.52), उज्जैन (12.40/12.45), नागदा (13.57/14.00) एवं रतलाम (14.35/14.40) बजे आगमन/प्रस्थान होगा इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09323 खडकी-इंदौर स्पेशल, खडकी से 2 अक्टूबर से 27 नवंबर तक चलेगी। यह ट्रेन खडकी से प्रति गुरुवार को 5.10 बजे चलेगी तथा गुरुवार को ही 23.35 बजे इंदौर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम, नागदा, उज्जैन एवं देवास बजे आगमन/प्रस्थान होगा। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, कल्याण एवं लोनावाला स्टेशन पर रुकेगी। यह ट्रेन एलएचबी रैक से चलेगी जिसमें एक सेकंड एसी एवं 17 थर्ड एसी के कोच होंगे।

इंदौर हजरत निजामुद्दी इंदौर-हजरत निजामुद्दीन इंदौर द्विसाप्ताहिक स्पेशल गाड़ी (संख्या 09309) इंदौर-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल, इंदौर से 3 अक्टूबर से 30 नवम्बर चलेगी। यह ट्रेन इंदौर से प्रति शुक्रवार एवं रविवार को 17.00 बजे चलेगी तथा अगले दिन प्रातः 5 बजे हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

गरबा पंडाल से चाकूबाज पकड़ाया

इंदौर। गरबों में युवतियों, महिलाओं से छेड़छाड़ तथा मारपीट की घटनाएं रोकने पुलिस की शक्ति मोबाइल टीम पेट्रोलिंग कर रही है। टीम ने एमआईजी थाना क्षेत्र स्थित नेहरू नगर पांच नंबर रोड पर गरबा पंडाल में खटकेदार चाकू लेकर खड़े हर्षित ठाकुर निवासी नेहरू नगर को पकड़ा। गरबा बदमाश वारदात की नीयत से वहां खड़ा था। उल्लेखनीय है कि रबा पंडालों व विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में महिलाओं की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए सभी थाना क्षेत्रों में महिला पुलिस बल सहित 13 शक्ति मोबाइल संचालित की जा रही है, जो नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन गरबा पांडाल आदि विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आसपास पेट्रोलिंग कर रही है।

फरार आरोपियों की गाड़ी बरामद

इंदौर। तीन दिन पहले लसूड़िया थाना क्षेत्र के सनसिटी में प्रॉपर्टी ब्रोकर मनोज नागर को पर गोली मारकर फरार मुख्य आरोपी सोनू राठौर और उसके साथी की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। इसी बीच पुलिस ने उस गाड़ी को बरामद कर लिया है जिसका इस्तेमाल आरोपियों ने हमले में किया था। घटना में पकड़े गए आरोपी अमन उर्फ पुष्पेन्द्र पिता केसरी सिंह राजपूत निवासी मांगलिया ने मुख्य आरोपी विनय उर्फ सोनू राठौर के कहने पर युवराज उर्फ राज बच्चा के साथ मिलकर गोलीकांड को अंजाम देना कबूला है। फरार आरोपियों पर 10-10 हजार का इनाम भी घोषित किया गया है।

डेढ़ दर्जन केस में लिप्त आरोपी पकड़ाया

इंदौर। इसी प्रकार क्राइम ब्रांच की टीम ने एमओजी लाइंस स्थित महादेव मंदिर के समीप संदिग्ध अवस्था में घुम रहे युवक को पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके दोपहिया वाहन की डिक्की से 12.27 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। आरोपी बबलू उर्फ विनोद बैरागी निवासी लाभरिया भेरू पर विभिन्न थानों में डेढ़ दर्जन अपराध पंजीबद्ध हैं।

पुलिस ने अंधे कत्ल का राज खोला, लिफ्ट से इंकार करने पर हुई हत्या

महिला की सूचना से आरोपी गिरफ्तार, यह सुनियोजित हत्या

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में बीते दिनों हुई अंधे कत्ल की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया। यह सनसनीखेज हत्या मामूली विवाद से शुरू हुई, जो निर्दोष की जान लेकर खत्म हुआ। पुलिस ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस हत्याकांड का खुलासा किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी जोन-1 कृष्ण लालचंदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि 23 सितंबर को एयरपोर्ट रोड स्थित केंद्रीय विद्यालय के पास 50 वर्षीय दीपक किरण का शव खून से लथपथ हालत में मिला था। दीपक कैला माता मंदिर, सिद्धार्थ नगर गांधी नगर का निवासी था और लोडिंग रिक्शा चलाता था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अवस्था में दीपक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में मामला संदिग्ध लग रहा था, लेकिन महिला द्वारा दी गई अहम जानकारी ने जांच की दिशा बदल दी। महिला ने पुलिस को बताया कि हत्या की रात क्या हुआ था, जिससे यह साफ हो गया कि यह एक सुनियोजित हत्या है।जांच और गिरफ्तारी पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी कैमरों की जांच की। हालांकि मौके पर ज्यादा कैमरे नहीं थे। इसके बावजूद सूचना तंत्र को सक्रिय किया और विभिन्न स्थानों की फुटेज खंगालने पर पुलिस को आरोपी के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने नेनौद मल्टी गांधी नगर निवासी गणेश रणसिंगे को गिरफ्तार किया।

सीतलामाता बाजार विवाद में बवाल दिग्विजय सिंह पर चूड़ियां फेंकी गईं

पुलिस ने सुरक्षा बढ़ाई, इलाके में रैपिड एक्शन फोर्स तैनात किया

इंदौर। सीतलामाता बाजार में मुस्लिम सेल्समैन न रखने को लेकर मचे विवाद ने शनिवार को नया मोड़ ले लिया। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह जैसे ही सराफा थाने पहुंचे, वहां पहले से मौजूद हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने उनका विरोध करते हुए उन पर चूड़ियां फेंकी। हालात बिगड़ने की आशंका में पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स को इलाके में तैनात करना पड़ा।

बाजार की दुकानों पर भगवा झंडे और बैनर लगा दिए गए। व्यापारी गले में केसरिया पट्टा पहनकर दिग्विजय सिंह का विरोध कर रहे थे। कई महिलाएं भी

हाथों में चूड़ियां लेकर प्रदर्शन में शामिल हुई। मामले की शुरुआत भाजपा विधायक मालिनी गौड़ के पुत्र एकलव्य गौड़ के फरमान से हुई,जिसमें उन्होंने सीतलामाता बाजार की दुकानों से मुस्लिम सेल्समैन और भागीदारों को हटाने की बात कही थी। इसे 'लव जिहाद रोकने की कवायद' बताया गया। इसके बाद कई दुकानदारों ने मुस्लिम कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया। इस पर मुस्लिम समाज ने नाराजगी जताते हुए बाजार का बहिष्कार करने की अपील की। कांग्रेस नेताओं ने इसे शहर का माहौल बिगाड़ने की कोशिश करार देते हुए एकलव्य गौड़ पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी,पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा और अन्य नेता शुक्रवार शाम संभागायुक्त से मिले और कार्रवाई न होने पर नाराजगी जताई।दिग्विजय सिंह को रोका गया

जैसे ही दिग्विजय सिंह कपड़ा बाजार की ओर बढ़े, पुलिस ने उन्हें रोककर सराफा थाने भेज दिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'दिग्विजय सिंह वापस जाओ' के नारे लगाए और उनकी गाड़ी पर चूड़ियां फेंकीं। व्यापारियों ने अपनी दुकानों पर भगवा रंग चढ़ाते हुए 'जिहादी मानसिकता के समर्थक यहां न आएं' जैसे पोस्टर लगाए। इससे माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया।

भीड़ में ट्रक के ब्रेक फेल, कई वाहनों को कुचला, महिला घायल, ड्राइवर हिरासत में

मिनी ट्रक के ब्रेक फेल हुए, जांच में ड्राइवर को भी नशे में नहीं पाया गया

इंदौर। बारह दिन बाद फिर शहर में एक बेकाबू ट्रक ने कई वाहनों और लोगों को टक्कर मारी। यह घटना शनिवार रात शहर के रावजी बाजार थाना क्षेत्र के लोहा मंडी ब्रिज इलाके में हुई। इस दुर्घटना में एक महिला घायल हो गई।

जानकारी के मुताबिक, एक मिनी ट्रक (एमपी 3 जीबी 6446) के ब्रेक फेल हो गए। इसके बाद उसने कई वाहनों को टक्कर मारी। एक लोडिंग वाहन से टकराने के बाद ट्रक रुका, जिसमें बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने

ट्रक जब्त कर वाहन चालक को हिरासत में ले लिया। घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने वाहन का पीछा किया और किसी तरह चालक को पकड़ लिया। इस दौरान हंगामे की स्थिति भी बन गई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि मिनी ट्रक तीन-चार वाहनों और लोगों को टक्कर मारता आया। यह नवलखा से टक्कर मारते हुए आ रहा था। दो से तीन गाड़ियां इसने तोड़ दी। यह बड़ा एक्सीडेंट है।

टकराने के बाद रुका ट्रक

हादसे के बाद पुलिस ने घटना को लेकर प्रेस नोट जारी किया, जिसमें बताया कि इस हादसे में स्कूटी चालक शर्मिला पति इस्लाम पटेल निवासी भीमा नगर को मिनी ट्रक ने टक्कर मारी। इसमें उसे मामूली चोट आई हैं। पुलिस के अनुसार मिनी ट्रक के ब्रेक फेल हो गए थे। जांच में ड्राइवर भी नशे में नहीं पाया गया है। एक लोडिंग वाहन से टकराने के बाद गाड़ी रुकी, जिसमें बड़ा हादसा टल गया है।

ट्रैफिक एसीपी हिंदू सिंह मुवेल ने कहा कि वाहन को थाने में खड़ा करवाया गया है। ड्राइवर मंगल पिता मोहनलाल केवट (25 साल) निवासी सांवेर बायपास इंदौर से पूछताछ की जा रही है। घायल युवती को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, उसे डिस्चार्ज भी कर दिया गया।

37 भारी वाहन पर नो एंट्री तोड़ने की कार्रवाई

इंदौर। शहर में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस लगातार सड़कों पर निगरानी रख रही है। इसके बावजूद कुछ भारी वाहन चालक नो एंट्री नियमों की अनदेखी कर प्रतिबंधित मार्गों से गुजर रहे थे।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर 27 सितंबर की सुबह से 28 सितंबर की सुबह तक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान नो एंट्री क्षेत्र में प्रवेश करने वाले 37 भारी वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही चालकों को चेतावनी दी गई कि आदेशों की फिर से अवहेलना करने पर और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित समय का पालन करने और प्रतिबंधित मार्गों का उपयोग न करने की अपील करते हुए शहर के यातायात प्रबंधन में सहयोग की समझाइश दी।

गरबे में घुसा मोहम्मद हामिद, उसे पहचान कर पीटा, पुलिस पूछताछ

इंदौर पूरे देश में नवरात्रि के टाइम गरबा महोत्सव चल रहा है। जिसमें हिंदू और सनातनी लोग डांडिया खेल रहे हैं। इसमें मुस्लिम युवकों के प्रवेश को लेकर घमासान मचा हुआ है। मध्य प्रदेश में कई जगहों पर हिंदू संगठनों ने गरबा में एंट्री के लिए आईडी कार्ड अनिवार्य किया है, इसके बावजूद इंदौर में एक मुस्लिम युवक गरबा में घुस गया।

पूरा मामला खजराना थाना क्षेत्र का है। यहां पर गरबा महोत्सव में एक राहुल नाम का युवक घुसा था। एक युवती अपने मित्र के साथ डांस कर रही थी तो राहुल उसे बार-बार देख रहा था। शक होने पर लोगों ने उसका आधार चेक किया। तो उसकी असली पहचान मोहम्मद हामिद रजा के रूप में हुई। फिर क्या था जब बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उसे रंगे हाथ पकड़ा तो जमकर पिटाई कर दी। मौके पर खूब हंगामा हुआ।

उधर किसी ने इस बात की सूचना खजराना थाने को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। बजरंग दल कार्यकर्ताओं की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि युवक का मकसद क्या था। बता दें कि ऐसे कई मुस्लिम युवक अपना नाम बदलकर और पहचान छिपाकर गरबा में घुस जाते हैं। हिंदू संगठनों का कहना है कि ये मुस्लिम युवक लव जिहाद के मकसद से हिंदू आयोजनों में घुसते हैं और हिंदू लड़कियों को टारगेट करते हैं।

दशहरे पर सोनम और मुस्कान समेत 11 अपराधी महिलाओं का पुतला दहन नहीं

हाईकोर्ट ने इस आयोजन पर रोक लगाई, ऐसा करना कानून के खिलाफ

इंदौर। दशहरे पर सोनम रघुवंशी, मुस्कान समेत हत्या और अपराध के मामलों से जुड़ी 11 महिलाओं के पुतले जलाने की घोषणा पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी। सोनम का परिवार और रघुवंशी समाज इस आयोजन के सख्त खिलाफ थे। परिवार का कहना है कि सोनम को दोषी ठहराने का अधिकार सिर्फ अदालत का है

यह आयोजन 'पौरुष' नाम की संस्था द्वारा किया जा रहा था, जिसमें इन महिलाओं को शूर्पणखा के प्रतीक के रूप में दिखाकर उनका पुतला दहन होना था। इस आयोजन के विरोध में मुख्य रूप से सोनम रघुवंशी का परिवार सामने आया। सोनम की मां संगीता रघुवंशी ने 25 सितंबर को हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि उनकी बेटी पर केस अभी विचाराधीन है। कोर्ट ने उसे दोषी नहीं ठहराया है, ऐसे में उसका पुतला जलाना न केवल असंवेदनशील है बल्कि कानून और संविधान के भी खिलाफ है।

हाईकोर्ट ने इस पर स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि भले ही किसी पर आपराधिक मामला दर्ज हो, लेकिन जब तक उसे अदालत दोषी करार नहीं देती, तब तक उसका पुतला जलाना, उसकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाना पूरी तरह से गलत और असंवैधानिक है। अदालत ने आयोजन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर से रुकवाने की मांग

पौरुष संस्था ने इस आयोजन की पूरी तैयारी कर रखी थी। संस्था ने 11 चेहरों वाला पुतला बनवाया था जिसमें प्रमुख चेहरा सोनम रघुवंशी का था। साथ ही आगरा के चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड की आरोपी मुस्कान का भी नाम शामिल था। संस्था का दावा था कि यह किसी महिला का अपमान नहीं, बल्कि समाज को अपराध के खिलाफ जागरूक करने का प्रतीकात्मक प्रयास है। हालांकि, सोनम का परिवार और रघुवंशी समाज इस आयोजन के सख्त खिलाफ थे। परिवार का कहना है कि सोनम को दोषी ठहराने का अधिकार सिर्फ अदालत का है, न कि किसी सामाजिक संस्था का। सोनम के भाई गोविंद रघुवंशी ने कलेक्टर को शिकायत देकर आयोजन रुकवाने की मांग की थी।

समाज में भ्रम की स्थिति

दिलचस्प यह है कि शुरुआत में गोविंद ने अपनी बहन सोनम के खिलाफ रुख अपनाया था, लेकिन अब वह शिलांग कोर्ट में सोनम की जमानत के लिए प्रयास कर रहे हैं। इस पर राजा रघुवंशी के भाई विपिन ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सोनम के परिवार को अब तक कोई पछतावा नहीं है और लगातार उनके रुख में बदलाव से समाज में भ्रम की स्थिति बन रही है। हाईकोर्ट के फैसले से यह साफ हो गया है कि विचाराधीन मामलों में किसी भी आरोपी को सार्वजनिक रूप से इस प्रकार नीचा दिखाना या उसके खिलाफ सामाजिक दंड देना लोकतंत्र और कानून के खिलाफ है।

एस कुमार के रिटायर जीएम से 1.39 करोड़ ठगे, 9 पकड़ाए, सभी स्टूडेंट

निवेश करने पर 490 प्रतिशत तक मुनाफा देने का झांसा दिया गया

इंदौर। ग्रेसिम इंडस्ट्रीज के रिटायर जनरल मैनेजर एस कुमार के साथ हुई 1.39 करोड़ रुपए की साइबर ठगी के मामले में साइबर सेल पुलिस 9 लोगों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ़्तारी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से हुई। पकड़े आरोपियों में लॉ और इंजीनियरिंग छात्र भी शामिल हैं।

साइबर सेल एसपी सव्यसाची सराफ ने बताया कि एस कुमार ने पिछले दिनों फेसबुक पर स्टाक ट्रेडिंग का विज्ञापन देखा और लिंक ओपन कर ली। इसके बाद साइबर अपराधी उनसे संपर्क करने लगे। अंतर्राष्ट्रीय ठग ने इंस्टीट्यूशनल स्टाक, ओटीसी ट्रेड (ओवर द काउंटर) आइपीओ ट्रेडिंग तथा ब्लाक ट्रेडिंग का झांसा दिया और कुमार की आईडी बना दी। निवेश करने पर 490त्न तक मुनाफा देने का झांसा दिया गया। आरोपियों ने मई और जून माह तक कुमार से अलग-अलग खातों में एक करोड़ 39 लाख रुपए जमा करवा लिए। जांच में पता चला कि कुमार ने कुछ रुपए विजय शंकर द्विवेदी निवासी गोमती नगर (लखनऊ) के बंधन बैंक (पुणे) के खाते में जमा करवाए हैं।

जांच में पता चला विजय अंतर्राष्ट्रीय ठग गिरोह का सदस्य है, जो साथियों के साथ लखनऊ की जेल में बंद है। इस मामले में भी पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी दर्ज कर अदालत व जेल प्रशासन को सूचना दी। इसके बाद आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर ले लिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी टेलीग्राम से चीन के ठग से जुड़े थे। भारत में फर्जी खाते खुलवा कर ठगी की राशि जमा करवा देते थे। इसमें से खाताधारक और स्वयं का कमीशन निकालकर शेष राशि यूएसडीटी एवं क्रिप्टो के माध्यम से चीन भिजवा देते थे।

इन आरोपियों को पकड़ा गया – ताओजी नगर वडगांव शेरी बिहाइंड सिद्ध टेंपल पुण्य नगरी सोसायटी जवल, पुणे (महाराष्ट्र) के विजय शंकर द्विवेदी पुत्र कामता प्रसाद बिहारी लाल द्विवेदी निवासी, सत्यम तिवारी पुत्र भूपेंद्र नाथ तिवारी पोस्ट जैती खेड़ा लखनऊ (साइबर लॉ स्टूडेंट), सक्षम तिवारी पुत्र संदीप कुमार तिवारी निवासी खाली शाहट टोला नियर पिली कोठी रायबरेली (सीएस का स्टूडेंट), मोहम्मद शाद पुत्र अब्दुल कारी बाराबंकी को पकड़ा गया जो बीटेक सिविल इंजीनियरिंग का स्टूडेंट है। जबकि, मनीष जायसवाल पुत्र रमेश चंद्र जायसवाल नीलमथा बाजार थाना कैंट लखनऊ का निवासी है।

इसके अलावा कृष शुक्ला पिता रत्नाकर शुक्ला गौडम्बा लखनऊ जो बीएससी का स्टूडेंट्स है, विनोद कुमार पिता जगतराम जायसवाल गोंडा को गिरफ्तार किया गया जो बीबीए का स्टूडेंट है। लईक अहमद पिता अजीज अहमद जवाहर नगर मनकापुर गोंडा भी सिविल इंजीनियरिंग का स्टूडेंट है। बीसीए के स्टूडेंट दिवाकर विक्रम सिंह पिता भीमसिंह निवासी दुबौलिया बस्ती को भी गिरफ्तार किया गया।

दिग्विजय सिंह की जनहित याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई अब 10 को

याचिका 2021 में दायर की, जबरन चंदा वसूली का आरोप

इंदौर। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर शनिवार को हाईकोर्ट में सुनवाई होनी थी, लेकिन नियमित बेंच उपलब्ध न होने के कारण टल गई। अब इस याचिका पर अगली सुनवाई 10 नवंबर को निर्धारित की गई है।

दिग्विजय सिंह स्वयं इस मामले में उपस्थित हुए थे। यह याचिका वर्ष 2021 में दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि राम मंदिर निर्माण के नाम पर इंदौर, उज्जैन, धार और मंदसौर में चंदा वसूली की आड़ में साम्प्रदायिक तनाव और हिंसा भड़काई गई। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता राम मंदिर निर्माण का विरोध नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनका विरोध उस तरीके से है, जिसमें कथित रूप से जबरन चंदा वसूली की गई और इस प्रक्रिया में धार्मिक सौहार्द को ठेस पहुंची।

दिग्विजय सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि इन रैलियों के दौरान कई स्थानों पर साम्प्रदायिक हिंसा की घटनाएं हुई और इसके बावजूद प्रशासन ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया। याचिका में यह उल्लेख है कि खुफिया विभाग ने पहले ही संभावित तनाव और हिंसा को लेकर प्रशासन को सतर्क कर दिया था, लेकिन चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने न्यायालय से अनुरोध किया है कि वह सरकार और प्रशासन को ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु उचित दिशा-निर्देश जारी करें और जबरन चंदा वसूली जैसी गतिविधियों पर सख्त रोक लगाएं।

संपादकीय

राजनेता की यह कैसी बेरहमी?

तमिलनाडु के करूर में 28 सितंबर की रात अभिनेता से नेता बने विजय थलापति की सभा में मची भगदड़ में 39 लोगों की असमय मौत और 95 लोगों के घायल होने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना इस बात को फिर से रेखांकित किया है कि नेता और प्रशासन भीड़ जुटा तो लेते हैं, लेकिन बाद में उन पर उसका नियंत्रण नहीं रह जाता। मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं, जो प्रिय अभिनेता को देखने और सुनने के लिए छोटे से मैदान में जमा हुए थे। उन्हें अंदाजा नहीं था कि यह राजनीतिक रैली उनके जीवन के अंतिम रैली साबित होगी। इस घटना के बाद तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये के मुआवज़े का ऐलान किया है। सरकार ने घटना की जांच के लिए रिटायर्ड हाई कोर्ट जस्टिस अरुणा जगदीशन की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग की घोषणा भी कर दी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने ज़िले में इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू करने के लिए कहा है। लेकिन सबसे हैरानी की बात यह है कि जिस एक्टर विजय के आह्वान पर यह भीड़ जमा हुई थी, वो हादसा होने के बाद पीड़ितों की मदद करने के बजाए तत्काल चेन्नई भाग निकले और मृतकों के संवेदना तक व्यक्त नहीं की। दूसरी तरफ इस हादसे को लेकर राजनीति भी शुरू हो गई है। भाजपा और अन्य विपक्षी पार्टियों ने इस हादसे को लेकर सत्तारूढ़ डीएमके को घेरा है। हालांकि चेन्नई पहुंचने के बाद विजय ने घटना पर दुख जताते की औपचारिकता जरूर पूरी की। इस समूचे हादसे से स्पष्ट है कि अभिनेता के नाम पर भारी भीड़ तो जमा हो गई, लेकिन उस पर किसी का कोई नियंत्रण नहीं था। दरअसल तमिल अभिनेता विजय ने पिछले अपनी नई राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीसी) के स्थापना की थी। इसी पार्टी के प्रमोशन के लिए करूर में रैली का आयोजन किया गया था। विजय की सभा सात घंटे देरी से प्रारंभ हुई और हुई तो यह हाल हुआ। बताया जाता है कि रैली में जब विजय भाषण दे रहे थे, तभी भीड़ में भगदड़ मच गई। विजय ने मंच से घोषणा की थी कि एक बच्ची गुम है। उसके बाद तो सभा स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। इसी भगदड़ में कई लोगों को जान गंवानी पड़ी। इसके बाद विजय ने अपना भाषण रोककर, ख़ासतौर पर बनाई गई प्रचार बस के ऊपर से लोगों के लिए पानी की बोतलें फेंकीं। जानकारों विजय थलापथि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है। इसके चलते विजय राज्यभर में आमसभाएं कर रहे हैं। इसका उद्देश्य जनता को पार्टी के एजेंडे और विचारधारा से अवगत कराना है। इन सभाओं में वे स्वयं को सत्तारूढ़ दल डीएमके के सबसे प्रमुख विरोधी की छवि गढ़ने में लगे हैं। विजय के पीछे परोक्ष रूप से भाजपा का हाथ भी माना जा रहा है। गौरतलब है कि तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेताओं और अभिनेत्रियों का जबरदस्त प्रभाव रहा है। इसके चलते कई अभिनेता और अभिनेत्रियां राजनीतिक पार्टियां बनाकर सत्ता का खेल खेलती रहती हैं। हालांकि इस खेल में दो चार लोगों को ही उल्लेखनीय सफलता मिली है, बाकी सब खेल ही रहे हैं। तमिल फिल्मों के सबसे बड़े अभिनेता रजनीकांत ने भी सियासत में उतरने की कोशिश की थी, लेकिन आखिर में पीछे हट गए। अभिनेता, नेता बनें, इसमें भी कोई परेशानी नहीं हैं, लेकिन संवेदनहीन नेता किस काम के जो अपनी रैली में आए प्रशंसकों को मरता छोड़कर खुद भाग निकले। यह तो हद दर्जे की निष्ठुरता है। इस घटना से टीवीके के राजनीतिक भविष्य क्या होगा, इसका अंदाजा लग सकता है।

नजरिया

डॉ. अजीत कुमार

लेखक इनवर्टिस विश्वविद्यालय बरेली में कृषि विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर हैं।

जीएसटी 2.0 : चुनौतियों के आगे उम्मीद वाला भविष्य

वस्तु एवं सेवा कर 2.0 की सबसे बड़ी विशेषता कर दरों में व्यापक सरलीकरण है। जहाँ पहले चार प्रमुख स्लैब थे 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वहीं अब इन्हें घटाकर केवल दो प्रमुख दरें रखी गई हैं- 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत, इससे न केवल कर प्रणाली आसान हुई है, बल्कि उपभोक्ता और व्यापारी दोनों के लिए स्पष्टता बढ़ी है। 5 प्रतिशत दर में अब रोज़मर्रा की ज़रूरत की वस्तुएँ, बीज, खाद, कीटनाशक और छोटे पैमाने की सेवाएँ शामिल हैं। जबकि 18 प्रतिशत दर में औद्योगिक सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन और निर्माण सामग्री आती हैं। पहली बार सरकार ने 0 प्रतिशत दर की श्रेणी भी बनाई है, जिसमें गेहूँ, चावल, दालें, दूध, पनीर, रोटी, पराठा जैसी खाद्य वस्तुएँ और स्वास्थ्य व बीमा सेवाएँ शामिल की गई हैं। यह सीधा असर आम जनता की जेब पर डालेगा और समाज के कमजोर वर्ग को राहत देगा। दूसरी ओर, संतुलन बनाने के लिए लक्ज़री वस्तुओं और 'पाप उत्पादों' पर कर दरें बढ़ा दी गई हैं। शराब, सिगरेट, तंबाकू उत्पाद और बड़ी कारों पर टैक्स अब 40 प्रतिशत तक पहुँचा दिया गया है। इससे एक ओर जहाँ सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा, वहीं हानिकारक उपभोग को भी नियंत्रित करने का प्रयास होगा।

भारत में कर सुधारों की लम्बी यात्रा एक नए मोड़ पर पहुँच चुकी है। एक जुलाई 2017 को लागू हुआ वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक राष्ट्र, एक कर, एक बाज़ार की दिशा में ऐतिहासिक कदम था। लेकिन पिछले आठ वर्षों में इस प्रणाली की जटिलता और दरों की असमानता को लेकर लगातार आलोचना होती रही। अब सरकार ने इन कमियों को दूर करने के उद्देश्य से जीएसटी 2.0 लागू कर दिया है, जो 22 सितंबर 2025 से पूरे देश में प्रभावी हो चुका है। नई व्यवस्था को सरकार ने कर प्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और जनहितैषी बनाने की दिशा में सबसे बड़ा कदम बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव न केवल किसानों और ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आएगा, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को भी दीर्घकालिक रूप से नई गति दे सकता है। हालांकि इसके साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं, जिन्हें नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

कर ढाँचे में बड़ा बदलाव- वस्तु एवं सेवा कर 2.0 की सबसे बड़ी विशेषता कर दरों में व्यापक सरलीकरण है। जहाँ पहले चार प्रमुख स्लैब थे 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत वहीं अब इन्हें घटाकर केवल दो प्रमुख दरें रखी गई हैं- 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत, इससे न केवल कर प्रणाली आसान हुई है, बल्कि उपभोक्ता और व्यापारी दोनों के लिए स्पष्टता बढ़ी है। 5 प्रतिशत दर में अब रोज़मर्रा की ज़रूरत की वस्तुएँ, बीज, खाद, कीटनाशक और छोटे पैमाने की सेवाएँ शामिल हैं। जबकि 18 प्रतिशत दर में औद्योगिक सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन और निर्माण सामग्री आती हैं। पहली बार सरकार ने 0 प्रतिशत दर की श्रेणी भी बनाई है, जिसमें गेहूँ, चावल, दालें, दूध, पनीर, रोटी, पराठा जैसी खाद्य वस्तुएँ और स्वास्थ्य व बीमा सेवाएँ शामिल की गई हैं। यह सीधा असर आम जनता की जेब पर डालेगा और समाज के कमजोर वर्ग को राहत देगा। दूसरी ओर, संतुलन बनाने के लिए लक्ज़री वस्तुओं और 'पाप उत्पादों' पर कर दरें बढ़ा दी गई हैं। शराब, सिगरेट, तंबाकू उत्पाद और बड़ी कारों पर टैक्स अब 40 प्रतिशत तक पहुँचा दिया गया है। इससे एक ओर जहाँ सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा, वहीं हानिकारक उपभोग को भी नियंत्रित करने का प्रयास होगा।

भारतीय कृषि लंबे समय से ऊँची उत्पादन लागत की समस्या से जूझ रही है। बीज, खाद, सिंचाई उपकरण और ट्रैक्टर जैसे कृषि यंत्र महँगे होने के कारण किसानों की आय पर सीधा असर पड़ता है। जीएसटी 2.0 इस दिशा में राहत लेकर आया है। पहले ट्रैक्टर और अन्य कृषि वाहनों पर 28 प्रतिशत तक कर देना पड़ता था। अब यह घटकर 18 प्रतिशत रह गया है। आधुनिक सिंचाई उपकरण जैसे ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर 5 प्रतिशत पर उपलब्ध होंगे, जबकि जैविक खाद और बायो-फर्टिलाइज़र 0 प्रतिशत या 5 प्रतिशत दर पर मिलेंगे। अनुमान है कि इन बदलावों से किसानों की लागत लगभग 8 से 10 प्रतिशत तक कम हो जाएगी।

किसानों के लिए एक और बड़ी राहत यह है कि राज्यों की सीमाओं पर कर जाँच चौकियों और बाधाओं को और सरल कर दिया गया है। अब किसान सब्ज़ियाँ, फल, अनाज और दुग्ध उत्पाद आसानी से एक राज्य से दूसरे

राज्य तक पहुँचा सकेंगे। इससे न केवल परिवहन समय कम होगा बल्कि नाशवान वस्तुओं की बर्बादी भी घटेगी। विशेष रूप से दूध, सब्ज़ी और फल उत्पादकों के लिए यह बड़ा कदम है। डेयरी और पशुपालन क्षेत्र पर भी सीधा असर दिखाई देगा। दूध, घी, पनीर जैसे उत्पादों पर कर घटने से उपभोक्ताओं को सस्ते दामों पर सामान मिलेगा। वहीं किसानों और सहकारी समितियों को अपने उत्पाद का बेहतर मूल्य मिलेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे अमूल जैसी बड़ी सहकारी संस्थाओं से लेकर छोटे दुग्ध उत्पादक तक सभी को लाभ होगा।

ग्रामीण भारत में उपभोग क्षमता अक्सर किसानों की आय से सीधे जुड़ी होती है। जब किसानों की लागत घटेगी और आय बढ़ेगी तो उनकी क्रय-शक्ति में भी वृद्धि होगी। इसका परिणाम यह होगा कि ग्रामीण उपभोक्ता अब टीवी, मोबाइल, बाइक और अन्य घरेलू उपकरणों पर खर्च कर सकेंगे। इससे ग्रामीण बाज़ार में मांग बढ़ेगी और छोटे उद्योगों से लेकर बड़े ब्रांडों तक को फायदा होगा। यानी जीएसटी 2.0 केवल कर सुधार नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण भारत में उपभोक्ता संस्कृति को नया आकार देने की क्षमता भी रखता है।

नई व्यवस्था में सबसे सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा। रोज़मर्रा की ज़रूरत की चीज़ें जैसे दूध, दालें, रोटी, पराठा, दवाइयाँ और बीमा सेवाएँ अब करमुक्त हैं। इससे मध्यम और निम्न वर्ग को बड़ी राहत मिली है। दूसरी ओर, टीवी, फ्रिज, कूलर, बाइक और छोटे वाहनों पर कर घटने से मध्यम वर्ग की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक दूर हुई है। यह वर्ग अब आसानी से उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और वाहनों की खरीदारी कर पाएगा। हालांकि, लक्ज़री वस्तुओं और आयातित सामानों पर कर बढ़ने से अमीर वर्ग प्रभावित होगा। लेकिन सरकार का तर्क है कि इस अतिरिक्त कर से मिलने वाला राजस्व स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी ढाँचे जैसे क्षेत्रों में लगाया जाएगा।

जीएसटी 2.0 केवल कर दरों का बदलाव नहीं है, बल्कि यह सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। दरों को सरल और कम करने से उम्मीद है कि व्यापारी टैक्स चोरी की बजाय स्वेच्छा से भुगतान करेंगे। आवश्यक वस्तुओं पर कर घटाकर उपभोग बढ़ाने की कोशिश की गई है। वहीं लक्ज़री और पाप वस्तुओं पर कर बढ़ाकर राजस्व संतुलन बनाने का प्रयास हुआ है। सरकार का दावा है कि इस अतिरिक्त राजस्व का उपयोग सामाजिक कल्याण योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा क्षेत्र में किया जाएगा। इससे दीर्घकालिक विकास की राह तैयार होगी।

हालाँकि इस सुधार के साथ कई चुनौतियाँ भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती शुरुआती वर्षों में संभावित राजस्व हानि है। जब आवश्यक वस्तुओं पर कर घटाया गया है, तो सरकार को अल्पकालिक रूप से कर संग्रह में कमी का सामना करना पड़ सकता है। दूसरी चुनौती तकनीकी जटिलता की है। प्रक्रियाएँ भले ही आसान की गई हों, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे व्यापारियों के लिए ऑनलाइन रिटर्न दाख़िल करना अब भी कठिन है। डिजिटल विभाजन की समस्या यहाँ स्पष्ट रूप से सामने आती है। साथ ही, कुछ व्यापारी मानते हैं कि अभी भी दर असमानता पूरी तरह दूर नहीं हुई है। वहीं नए प्रावधानों को ज़मीनी स्तर पर लागू करना, खासकर ग्रामीण इलाकों में, सरकार के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

कई किसानों ने बताया कि पहले ट्रैक्टर के पार्ट्स पर 28 प्रतिशत टैक्स देना पड़ता था, अब यह 18 प्रतिशत है। इससे उनकी लागत में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है। डेयरी किसान मानते हैं कि पैकेज्ड पनीर और घी पर कर 12 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत होने से बिक्री बढ़ी है और उपभोक्ता भी सस्ता सामान खरीद पा रहे हैं। फल उत्पादक संगठनों का कहना है कि ट्रांसपोर्ट और पैकिंग पर कर कम होने से अब अंतरराष्ट्रीय बाज़ार तक पहुँच आसान हुई है। कुल मिलाकर जीएसटी 2.0 को भारतीय कर प्रणाली का अब तक का सबसे बड़ा सुधार कहा जा सकता है। इससे किसानों की लागत घटी है, उपभोक्ताओं को ज़रूरी सामान सस्ते मिले हैं और व्यापारियों के लिए प्रक्रियाएँ सरल हुई हैं। हालाँकि, राजस्व हानि, तकनीकी कठिनाइयाँ और दर असमानता जैसी चुनौतियाँ सरकार के सामने खड़ी हैं। यदि इनसे समय रहते निपटा गया तो जीएसटी 2.0 न केवल भारतीय कर व्यवस्था को पारदर्शी और सरल बनाएगा बल्कि कृषि क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मज़बूत करने में अहम भूमिका निभाएगा।

पर्यावरण

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ग्रेट निकोबार में घनघनाता अलार्म

ग्रेट निकोबार में अलार्म लगातार घनघना रहा है। खतरे की घंटी लगातार बज रही है। मगर उसकी आवाज को लगातार अनसुना किया जा रहा है। घड़ी की सुइयां तेजी से घूम रही हैं और फैसले-दर-फैसले भयावह आपदा का सामान जुटा रहे हैं। पर्यावरणविद् सचेत हैं और वे भी जो प्रकृति और आदिवासियों से प्रेम और उनकी परवाह करते हैं। विभिन्न मंचों से उन्होंने अपनी चिंताओं का इजहार भी किया है। उद्विगन जनों ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में भी दस्तक दी है, मगर बात बनती नहीं दीखती और अनिष्ट की आशंका बढ़ती जा रही है।

नृतत्व शास्त्रीय, पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय संदर्भों को छोड़ भी दें तो भौगोलिक दृष्टि से भी हम ग्रेट निकोबार के बारे में कम जानते हैं। ग्रेट निकोबार अंडमान और निकोबार समूह का सबसे दक्षिणी और सुदूरवर्ती द्वीप है। पारिस्थितिकी के मान से अत्यंत समृद्ध यह द्वीप यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व है। यहां प्राचीनतम, दुर्लभ और अछूते वर्षावन की समृद्ध विरासत विद्यमान है। द्वीप का भू-राजनीतिक और सामरिक महत्व भी निर्विवाद है। यहां विलुप्तप्राय शोम्पेन जनजाति निवास करती है। त्सुनामी के बाद जिसके कुल लगभग ढाई सौ सदस्य बचे हैं। द्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित है भारत के सबसे दक्षिणी छोर का इंदिरा पाइंट और निकट ही है गलाथिया खाड़ी, जो बंगाल की खाड़ी में प्रवेश कर मुलायम चांदी जैसी रेत का विहंगम दृश्य रचती है। यहीं समुद्र के सबसे विशाल लेदरबैक कछुओं के करीब पांच सौ प्रजनन स्थल हैं। लेदरबैक कच्छप इन आवासों में ऋतु में आते हैा और प्रजनन के उपरांत कुछ आस्ट्रेलिया, तो कुछ अफ्रीकी तटों की ओर निकल जाते हैं। यहां प्रवाल भी हैं और मैंग्रोव भी। यह प्रवासी पक्षियों का प्रिय स्थल है। जनजातीय और नृतत्व शास्त्रीय अध्ययन के लिये यह महत्वपूर्ण और कीमती पाठशाला है। जैव-विविधता की तो बात ही क्या! मगर यह विलक्षण लोक अब खतरे में है। ग्रेट निकोबार द्वीप संकटापन्न है। विवेकहीनता और अदूरदर्शिता की कोख से उपजी योजनाएं उसे निगल सकती हैं। वजह यह कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने नवंबर, सन 2022 में एक विराट इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना को पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान की है। इसके लिए उसने द्वीप के समग्र विकास की लुभावनी शब्दावली इस्तेमाल की है। इस अधोसंरचना प्रोजेक्ट पर 72000 करोड़ रूपयों की लागत आयेगी। इससे करीब तीन दशकों में ग्रेट निकोबार का हुलिया बदल जाएगा। गौरतलब है कि यह भूकंप के लिहाज से उच्च संवेदी और अति जोखिम का क्षेत्र भी है। सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना की बात करें तो समग्र विकास के कथित संजाल में 40,000 करोड़ रूपयों की लागत से ट्रांसशिपमेंट पत्तन (पोर्ट) बनेगा, जिसमें एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, एक विद्युत संयंत्र और एक ग्रीन फील्ड टाउनशिप शामिल होगी। यह टाउनशिप सघन वन क्षेत्र में 130 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में जंगल को उजाड़कर बसाई जायेगी। मोटे तौर पर बस्ती बसाने के लिए दस लाख पेड़ काटे जाएंगे। यही नहीं इस अत्यंत विरल आबादी के क्षेत्र में, जहां की मौजूदा आबादी करीब आठ हजार है, तीन दहाइयों में जनसंख्या बढ़कर साढ़े तीन लाख हो जायेगी। यह जनसांख्यकीय परिवर्तन मुख्यत: विजातीय बहिरागतों के आगमन से होगा। सिर्फ कल्पना की जा सकती है कि आबादी में 4000 फीसद की वृद्धि, लोहे और कांक्रीट की इमारतें और बड़े पैमाने पर निर्वनीकरण शांत-सुरम्य निरापद द्वीप पर क्या गुल खिलायेंगे?

प्रोफेसर पकंज सेखसरिया बीते करीब तीन दशकों से अंडमान-निकोबार पर काम कर रहे हैं। द्वीप पर उनका शोधपूर्ण लेखन अबाध गति से जारी है। इसी श्रंखला में उनकी ताजा और छठवीं किताब आई है : 'ग्रेट निकोबार : कहानी विश्वासघात की'। यह किताब एक तरह से श्रम और समय साध्य के शोध ग्रंथ है, जो पर्यावरण, पारिस्थितिकी और जनजातीय जीवन के प्रति ईमानदार और गहरी चिंता की कोख से उपजा है। करीब डेढ़ सौ पेज की इस किताब में कतिपय दुर्लभ चित्रों के अलावा पंकज सेखसरिया, द वायर की आथिरा परिचेरी, जमशेद जी टाटा स्कूल ऑफ डिजास्टर स्टडीज में प्रो. जानकी अंधारिया और सहायक प्रोफेसर वी. रमेश, टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंसेज के रविंद्र धीमान, न्यूरोसाइंस एवं वन्यजीव विज्ञान अनुसंधान में प्रशिक्षित बी. चौधरी, सेंटर फार वाइल्ड-लाइफ स्टडीज में डॉक्टोरल फैलो इशिका रामकृष्णा, उत्तरी अंडमान में जनमे आपदा प्रबंधन शास्त्री उदय मोंडल, समुद्री पारिस्थितिकीविद माही

मनकेश्वर, एनवायरमेंटल एक्शन ग्रुप 'कल्पवृक्ष' की सृष्टि बाज पाई, हर्पेटोलाजिस्ट और संरक्षण जीव विज्ञानी तथा मुन्नार में उभयचर पुनर्वास योजना पर कार्यरत एस. हरिकृष्णन, नेच कंजर्वेशन, फाउंडेशन, मैसूर से डाक्टरेट मनीष चंडी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में प्राध्यापक अजय सैनी और सामाजिक पर्यावरण की कार्यकत्री अधिवक्ता नार्मा अल्बारेज के लेख शामिल हैं।

आवरण पर आदिवासी अकादमी, तेजगढ़ के संस्थापक जी.एन. देवी को उद्धृत किया गया है। इन विद्वान लेखकों की स्पष्ट मान्यता है कि मेगा विकास के सपने एक अत्यंत संवेदनशील द्वीप के लिए विनाश की चेतावनी दे रहे हैं। द्वीप के विकास के लिए प्रस्तावित भीमकाय परियोजना अंतत: निर्मित आपदा की ओर इंगित करती है, जो आगामी समय में दिसंबर, 2004 की त्सुनामी से भी ज्यादा शब्दों में यह किताब हमें आगाह करती है कि यदि हमने समय रहते कदम नहीं उठाया तो हम यह धरोहर सदा के लिए गँवा सकते हैं। इसमें शक नहीं कि किताब आसान्न विनाश के संदर्भों को परत-दर-परत उघाड़ती है। राजीव गांधी ने अपने प्रधान मंत्रित्वकाल में विकास के बहाने विनाश के मद्देनजर ट्रांसशिपमेंट पत्तन योजना को खारिज कर दिया था, लेकिन अंतत: अब योजना अमलीजामे की ओर अग्रसर है। एनजीटी समझने में विफल रा कि दाँव पर क्या लगा है और हम क्या गँवा सकते हैं। उसने एक कमेटी बनाई, जिसमें उन्हीं एजेंसियों के नुमाइंदे थे। परियोजना को लाने और लागू करने में हिस्सेदार थे। जब पत्तन के प्रस्तावों पर चर्चा हो रही थी, तभी यह बात सामने आ गयी थी कि अदानी पोर्टसएंड स्पेशल इकोनामिक जोन लि., जेएसडब्लू इंफ्रा लि., रेल विकास निगम लि., कन्टेनर कार्पोरेशन आफ इंडिया लि. और डच ड्रेजिंग प्रमुख राय अल बेस्किालिस वेस्ट मिस्टर सहित दस बड़ी कंपनियों ने प्रोजेक्ट में शामिल होने की इच्छा (ईओएलएस) व्यक्त की है। संकट गहन है, क्योंकि हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैा, जब सख्त वन कानूनों को विकास में बाधक माना जाने लगा है और सरकार में बड़े उद्योगों की रक्षा और बढ़ावे की प्रवृत्ति अत्यंत मजबूत है।

ग्रेट निकोबार दिसंबर, 2004 में भूकंप और त्सुनामी के अकल्पनीय प्रकोप का सामना कर चुका है। छोटे-मोटे भूकंप उसकी नियति है। बंदरगाह के निर्माण को सुकर बनाने के वास्ते राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने अभयारण्य गैर अधिसूचित कर दिया है। खतरे की सघनता को इससे आंकें कि बीती दहाई में द्वीपों ने 444 भूकंपों का सामना किया है। आईसीटीटी, हवाई अड्डा, टाउनशिप, बिजली संयंत्र के लिए 16610 हेक्टर और बंदरगाह व हवाई अड्डे के पुनर्ग्रहण के लिए 421 हेक्टर भूमि की जरूरत होगी। सन 2004 के भूकंप में ग्रेट निकोबार की तटरेखा करीब 4.5 मीटर धँस गयी थी और इंदिरा पाइंट का लाइटहाउस आज भी पानी में है। बीते दशक में यहां भूकंपों की आवृत्ति बढ़ी है, लेकिन इसे इग्नोर किया जा रहा है। पहले यहां साल में 10-11 माह बारिश होती थी, अब वह घटकर पांच से आठ माह रह गयी है। बिलाशक हम जीवन की प्राकृतिक प्रयोगशालाओं को क्षति पहुंचाते जा रहे हैं। ग्रेट निकोबार के लिए चिंतित लेखकों ने बहुत बोधगम्य और प्रामाणिक तरीके से बातें प्रस्तुत की हैं। ईशिका ने कछुओं और मैकाक के खतरों की बात की है, तो उदय मोंडल ने पक्षियों ओर मेगापोड नीड़ों पर खतरे से आगाह किया है। सृष्टि पूछती है कि क्या लेदर बैक कछुओं को अदालत में जाना चाहिये। मार्च, 1858 में इस क्षेत्र में आस्ट्रिया की शाही नौसेना के नोवारा अभियान का हवाला देते हुए हरिकृष्णन ने सरीसृपों और उभयचरों पर खतरे को दर्शाया है। मनीष चंडी की पतई तकरू की यादें मार्मिक वृत्तांत है। इस तरह अजय सैनी का आलेख 'यह किसकी जमीन है' विचलित करता है। विकास की अंधी दौड के आत्मघाती दौर में इस विचारोत्तेजक आलेख संकलन को न सिर्फ पढ़ा और गुना जाना चाहिये, बल्कि उन युक्तियों को भी अपनाना चाहिये, जिनके जरिये हम भविष्य में विभीषिका से बच सकते हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

सुरेश उपाध्याय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

फूंक मार कर काटने की कला के उस्ताद

चूहे फूंक मार-मार कर काटते हैं और काटने वाले को इसका आभास ही नही होता है, नींद में इसकी भनक न तो काटने वाले को होती है और न आसपास सोने वाले को। बचपन से सुनते आए ऐसे विचार के आधार पर चूहे को फूंक मार मार कर काटने की कला का उस्ताद कहा जा सकता है। सुबह बिस्तर खून से रंगा हो और शरीर का कोई अंग भंग हो या जड़ से गायब हो तो शक के दायरे में सीधा चूहा आता है। प्रथम दृष्ट्या अपराधी इस प्राणी का खौफ तारी हो जाता है और कन्हा से आया-कन्हा गया की सोच में उलझा देता है। इसी परम्परागत धारणा के तहत घर हो या अस्पताल आरोप चूहे पर निर्धारित हो जाते हैं। आरोप निर्धारण के बाद गिरफ्तारी या सजाए मौत की प्रक्रिया शुरु हो जाती है। इसमें बेनिफिट आफ डाउट की गुंजाइश नही होती है। अलबत्ता सजा निर्धारण में मान्यताओं व परम्पराओं की भूमिका अवश्य होती है। घर मै तो इसकी आमद की जिम्मेदारी पर चर्चा नहीं होती है लेकिन सार्वजनिक स्थल पर इसके पाए जाने पर जिम्मेदारी का सवाल अवश्य उठता है। जिम्मेदारी को टालने के लिए आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और पर्दे के पीछे गुनहगारों को बचाने के प्रयास भी जारी रहते है। यह प्रक्रिया घटना की सूर्खियों तक चलती है और नई सुर्खी के बनते ही भूला दी जाती है।

चूहे दिखने में जितने छोटे होते हैं, उनके कारनामे उससे भी कई गुना बड़े हो सकते हैं। यह अंदाज लगाना भी मुश्किल होता है कि जब आने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है तो यह प्राणी आया कन्हा से है। कहने का मतलब यह कि चूहे अपना रास्ता बनाने में माहिर होते हैं। कैसी भी नाकेबंदी हो, चाक चौबंद व्यवस्था हो, यह आते हैं, कुतरते हैं और नदारद हो जाते हैं। कभी कभी लालच में ट्रेप वैसे ही होते है जैसे लोकायुक्त में भ्रष्ट व्यक्ति रंगेहाथ पकड़े जाते हैं। खाने की वस्तु में चूहामार दवा से वैसे ही हताहत होते हैं जैसे शातिर अपराधी एनकाउंटर में मारे जाते हैं या घायल होते हैं। खेतों, मैदानों, घरों, व्यवसाय स्थलों, गोदामों, स्कूलों, अस्पतालों से लेकर, रेल, बस, हवाई अड्डों तक इसके कारनामों ने इसके सर्वत्र होने की पुष्टी की है। अस्पताल की सघन चिकित्सा इकाई में दो बच्चों की उंगलिया कुतरने में आरोप-प्रत्यारोप, जांच - कार्रवाई, प्रदर्शन की सुर्खियों की स्याही सूखी ही नहीं थी कि हवाई अड्डे पर यात्री के पैंट में घुटनों के नीचे काटने के प्रकरण ने एक नई सुर्खी का मसौदा दे दिया है। यह घटना इनकी निर्भिकता व साहसिकता की परिचायक है। दिन दहाड़े सार्वजनिक स्थल पर इनकी हिमाकत ने खौफ को तो विस्तार दिया ही है और आपदा में अवसर के रास्ते भी दिखाए हैं। बिजली के तार काटने में भी इनको करंट लगने का खतरा महसूस नही होता है। थोडे दिन पूर्व चर्चा में एक परिचित ने बताया कि उनका नीम का पेड़ चूहों ने खोखला कर दिया है। इस संवाद को सून रहे एक राहगीर ने कहा 'यह कन्हा कन्हा घूसे हुए हैं और क्या क्या खोखला कर दिया है, कल्पना से परे है'। इनके तीक्ष्ण दंत, फूंक मारकर कुतरने, काटने से संसाधन व जनजीवन के लिए बनी चुनौतिया एक पहलू है तो समय पर रैबिज, टिटनस इंजेक्शन व अन्य उपचार की अनुपलब्धता दूसरा पहलू है। प्रीवेंटिव व क्यूरेटिव दोनों स्तर पर चूहों की चुनौती से निपटने की चुनौती बनी हुई है और कुतर कुतर कर मस्त व मोटियाते चूहे बढ़ते जा रहे हैं। मोटे-तगड़े चूहे बेखौफ मटरगस्ती कर रहे हैं और बड़े बड़े बिल बना रहे हैं।

चूहा वैसे तो कमजोर के लिए विशेषण की तरह प्रयोग किया जाता है और 'खोदा पहाड, निकली चूहिया' मुहावरा भी उसकी पुष्टी करता है। लेकिन देश, अर्थतंत्र, समाज व्यवस्था आदि के लिए कुतरना व खोखला करना का प्रयोग चूहों की सामर्थ्य, क्षमता, प्रभावशीलता को रेखांकित कर रहे हैं। चूहे थोड़ी सी धमक व बिल्ली की उपस्थिति से डरते हैं लेकिन फिर फिर लौटते हैं और मौका मिलते ही कुतरते हैं। कुतरने, खाने और नुकसान करने में इनका कोई सानी नहीं है। जीव, निर्जीव, मृत तक को कुतरने व खाने के इनके असंख्य उदाहरण हैं, यह शोध का विषय है कि चूहे फूंक किस किसको मारते हैं। निर्जीव व मृत को यदि फूंक मारकर कुतरते या काटते हैं तो सम्भव है वे 'दूध का जला छाछ भी फूंक फूंक कर पीता है' के मुहावरे से भी वाबस्ता हैं।

संघ और स्त्रियां

डॉ. प्रियंका सौरभ

लेखक स्तंभकार हैं।

सेविका समिति से शताब्दी तक की यात्रा

भारत के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) एक महत्वपूर्ण संगठन के रूप में स्थापित है। 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित यह संस्था मूलतः पुरुष swayamsevaks के लिए बनी थी। इसकी शाखाओं, अनुशासन और विचारधारा ने धीरे-धीरे भारतीय राजनीति और समाज पर गहरा असर डाला। परन्तु जब हम महिलाओं की भूमिका की ओर देखते हैं, तो तस्वीर कुछ अलग मिलती है। आरएसएस के समानान्तर 1936 में जन्मी 'राष्ट्र सेविका समिति' ने ही स्त्रियों के लिए रास्ता खोला। आज जब संघ अपनी शताब्दी मना रहा है, तब इस यात्रा पर नज़र डालना ज़रूरी है कि स्त्रियों की भागीदारी कहाँ से शुरू हुई और 2025 तक वह किस मुकाम तक पहुँची।

शुरुआती दौर: 1925 से 1936- संघ की स्थापना 1925 में नागपुर में हुई। यह संगठन अनुशासन, परेड, शाखा और राष्ट्रवाद पर आधारित था। लेकिन इसकी संरचना पुरुष प्रधान रही। हेडगेवार स्वयं मानते थे कि स्त्रियों को अलग मंच चाहिए, क्योंकि उस समय के सामाजिक परिवेश में स्त्रियों का सीधे पुरुष शाखाओं में आना सहज नहीं माना जाता था। इसी पृष्ठभूमि में 1936 में लक्ष्मीबाई केलकर ने विजयादशमी के दिन वर्धा में 'राष्ट्र सेविका समिति' की स्थापना की। हेडगेवार ने भी इस पहल का स्वागत किया और सुझाव दिया कि महिलाएँ अपनी संस्था चलाएँ, ताकि वे अपनी शक्ति, संस्कृति और नेतृत्व को स्वतंत्र रूप से विकसित कर सकें। इस तरह महिलाओं की भागीदारी औपचारिक रूप से शुरू हुई।

सेविका समिति की स्थापना और शुरुआती संघर्ष- 1939 में पहली बार समिति ने प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया। धीरे-धीरे अलग-अलग प्रांतों में इसकी शाखाएँ बनने लगीं। समिति का उद्देश्य केवल राष्ट्रवादी विचार फैलाना नहीं था, बल्कि स्त्रियों में 'मातृत्व, कर्तृत्व और नेतृत्व' (मातृत्व, कतृत्व, नेतृत्व) जैसे गुणों का विकास करना भी था। इसमें शारीरिक प्रशिक्षण, योग, गीत, खेल, अनुशासन और समाज सेवा शामिल किए गए। आज़ादी के आंदोलन में भी समिति की महिलाओं ने परोक्ष रूप से भूमिका निभाई। परन्तु उनकी गतिविधियाँ मुख्यतः सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्रों तक सीमित रहीं।

1940 से 1970 का दशक: विस्तार की ओर- स्वतंत्रता के बाद के दशकों में समिति का नेटवर्क बढ़ा। लक्ष्मीबाई केलकर की मृत्यु (1978) तक संगठन कई राज्यों में फैल चुका था। उनके बाद सरस्वती आपटे प्रमुख संचालिका बनीं। इस समय तक शाखाओं की संख्या हज़ारों में पहुँच गई थी। समिति का जोर महिला शिक्षा, संस्कार, और सेवा परियोजनाओं पर रहा। आपातकाल (1975-77) में समिति से जुड़ी महिलाओं ने विरोध प्रदर्शनों में भी भाग लिया। इस दौर ने उन्हें राजनीतिक रूप से अधिक सचेत और सक्रिय बनाया।

1980-2000: आधुनिकता और परम्परा का संगम- 90 के दशक में जब भारतीय राजनीति में भाजपा और संघ परिवार का प्रभाव बढ़ने लगा, तो महिलाओं की भागीदारी भी चर्चा में आने लगी। समिति ने इस समय शहरी और पेशेवर महिलाओं तक पहुँच बनाने की कोशिश की। महिला शिक्षिकाएँ, चिकित्सक और नौकरीपेशा स्त्रियाँ समिति के कार्यक्रमों से जुड़ने लगीं। 1994 में उषाताई चाटे और 2006 में प्रमिलाताई मेढे प्रखर नेतृत्व के रूप में सामने आईं। इन नेताओं ने महिला शाखाओं को आधुनिक मुद्दों-जैसे कामकाजी महिलाओं की चुनौतियाँ, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार में संतुलन से जोड़ा।

2012 से आगे: शांथक्का का नेतृत्व- 2012 में वेंकट्रामा शांता कुमारी, जिन्हें लोकप्रिय रूप से 'शांथक्का' कहा जाता है, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका बनीं। उनका जन्म 1952 में हुआ और वे लंबे समय से संघ परिवार के कार्य में सक्रिय थीं। उनके नेतृत्व में समिति ने अपना विस्तार और तेज़ किया। आज समिति के पास चार से पाँच हज़ार शाखाएँ हैं, जो लगभग 800 से अधिक जिलों में फैली हुई हैं। यद्यपि सटीक आँकड़े संगठन सार्वजनिक नहीं करता, लेकिन अनुमान है कि लाखों महिलाएँ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़ी हुई हैं। समिति शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, छात्रावास और महिला सशक्तिकरण परियोजनाएँ चला रही है। शहरी महानगरों में भी इसकी शाखाएँ सक्रिय हो रही हैं।

संघ और महिला प्रश्न- संघ के भीतर महिलाओं को औपचारिक सदस्यता या नेतृत्व स्थान नहीं दिया गया है। आरएसएस की शाखाएँ केवल पुरुषों के लिए ही हैं। महिलाएँ केवल समिति के माध्यम से संघ के विचारधारा संसार का हिस्सा बनती हैं। आलोचकों का कहना है कि यह व्यवस्था महिलाओं को मुख्यधारा से बाहर रखती है। वे पुरुषों के बराबर निर्णयकारी पदों पर नहीं पहुँच पातीं। परन्तु समर्थकों का मत है कि अलग संगठन होने से महिलाएँ स्वतंत्र रूप से नेतृत्व और गतिविधियाँ विकसित कर पाती हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई बार कहा है कि महिलाओं की भागीदारी 'प्राकृतिक रूप से' बढ़ रही है। परन्तु अब भी नेतृत्व संरचना में असमानता साफ दिखाई देती है।

वर्तमान स्थिति (2025)- संघ अपनी शताब्दी मना रहा है। उसके लगभग 83,000 शाखाएँ देशभर में सक्रिय बताई जाती हैं। वहीं राष्ट्र सेविका समिति की शाखाएँ भी लगातार बढ़ रही हैं। समिति अब गाँवों के साथ-साथ महानगरों में भी काम कर रही है। इसके प्रशिक्षण वर्गों में स्कूली छात्राओं से लेकर पेशेवर महिलाएँ तक भाग ले रही हैं। 2025 में समिति का चेहरा परम्परा और आधुनिकता का मिश्रण है-जहाँ एक ओर मातृत्व और परिवार आधारित मूल्य हैं, वहीं दूसरी ओर समाज सेवा और महिला नेतृत्व के अवसर भी हैं। समिति ने लाखों महिलाओं को संगठित कर आत्मविश्वास और सामूहिकता दी। शिक्षा, सेवा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समाज पर ठोस असर पड़ा। महिलाओं को नेतृत्व और प्रबंधन का अवसर मिला। महिलाएँ संघ की मुख्य धारा (आरएसएस) में निर्णयकारी भूमिकाओं से बाहर रहीं। संगठन का वैचारिक ढाँचा महिलाओं को परम्परागत भूमिकाओं तक सीमित करता है। आधुनिक नारीवादी विमर्श से समिति का दृष्टिकोण टकराता है, क्योंकि वह स्वतंत्रता और समानता की बजाय मातृत्व और संस्कृति पर ज़ोर देती है।

सितंबर 2025 में आयोजित व्याख्यानमाला के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि आज महिलाओं की भागीदारी समाज और राष्ट्र निर्माण में पहले से कहीं अधिक आवश्यक है। व्याख्यानमाला में यह भी कहा गया कि 2025 का भारत उस मुकाम पर खड़ा है, जहाँ महिला नेतृत्व केवल 'पूरक' नहीं बल्कि 'निर्णायक' भूमिका निभा रहा है। वक्ताओं ने यह भी जोड़ा कि आधुनिक शिक्षा, तकनीक और आर्थिक आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में महिलाएँ जिस तरह से आगे बढ़ रही हैं, संघ परिवार को भी उसी अनुरूप अपनी संरचना और कार्यपद्धति को और खुला बनाना होगा। व्याख्यानमाला में अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और विचारकों ने भी महिला नेतृत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे राष्ट्र सेविका समिति की महिलाएँ दशकों से शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में काम कर रही हैं। यह तर्क दिया गया कि यदि 1925 में संघ की नींव रखी गई थी, तो उसी दशक में महिलाओं के लिए समानांतर संगठन की स्थापना इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं की उपस्थिति को शुरुआत से ही महत्वपूर्ण माना गया।

1925 से 2025 की यात्रा दिखाती है कि संघ की विचारधारा से प्रेरित महिलाओं ने अपना अलग संगठन खड़ा कर लिया और उसे राष्ट्रीय स्तर तक फैलाया। लक्ष्मीबाई केलकर से लेकर शांथक्का तक यह सिलसिला निरंतर चला है। आज जब भारतीय समाज में महिलाएँ राजनीति, शिक्षा, व्यवसाय और सेना तक में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं, तब यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि-क्या भविष्य में महिलाएँ सीधे संघ की शाखाओं और नेतृत्व में भी शामिल होंगी, या वे हमेशा समानान्तर संगठन तक ही सीमित रहेंगी? संघ की शताब्दी महिलाओं की इस यात्रा का पड़ाव भी है-एक यात्रा जिसमें परम्परा, अ नुशासन, सेवा और नेतृत्व का संगम है, लेकिन समानता और सहभागिता की चुनौती अब भी शेष है।

ट्रंप का टैरिफ बम

प्रो. आरके जैन

लेखक प्राध्यापक हैं।

दवाएं भी राजनीति का मोहरा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आधी रात की घोषणा ने न केवल फार्मास्यूटिकल जगत को धराशायी कर दिया, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक कड़वी सच्चाई की चोटी पर ला खड़ा किया। कल्पना कीजिए, वह दवा-दुनिया जहां सस्ते दामों पर लाखों जिंदगियां टिकी हैं, अचानक महंगाई के काले बादलों में लिपट जाती है। यह कोई मामूली नीति नहीं, बल्कि 'अमेरिका फर्स्ट' का एक खतरनाक दांव है, जो अमेरिकी हितों को मजबूत करने के बहाने वैश्विक सप्लाई चेन को जड़ से उखाड़ फेंक सकता है। और भारत?

विश्व की फार्मेसी के रूप में जाना जाने वाला यह फार्मा महासागर अब तूफान के सिरे पर खड़ा है। लेकिन क्या यह विनाश का अंतिम संकेत है, या फिर अवसरों की नई सुबह?

ट्रंप का यह तीर अमेरिका फर्स्ट मंत्र को एक घातक आयाम देता है। 1 अक्टूबर 2025 से ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ का ऐलान न केवल घरेलू उत्पादन को पंख लगाने का प्रयास है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी ढाल बन जाता है। महामारी की वे काली रातें अभी आंखों में ताजा हैं, जब सप्लाई चेन की डोर टूटने से दवाओं की भुखमरी ने दुनिया को थर्रा दिया था। ट्रंप प्रशासन का तर्क अटल है- विदेशी निर्भरता एक जहर की घंटी है। कंपनियां अगर अमेरिका में प्लांट लगाती हैं, भले ही निर्माण शुरू हो गया हो, तो टैरिफ से छूट मिलेगी। यह प्रलोभन निवेश को ललचाता तो है, लेकिन वास्तव में वैश्विक व्यापार को एक अनिश्चित भंवर में धकेल रहा है। यूरोपीय संघ जैसे सहयोगियों पर पहले से 15 प्रतिशत की सीमा शिकंजा कस चुकी है, लेकिन यह नया बोझ उनके निर्यात को खून बहा सकता है। स्विस और जर्मन दवा दिग्गजों-लोजा, नोवार्टिस और रोश के शेयरों में 1-2 प्रतिशत की गिरावट इसका जीता-जागता प्रमाण है, जबकि एशियाई बाजारों में चुगई और सुमितोमो फार्मा जैसे नामों को 5 प्रतिशत तक का धक्का लगा।

भारत, वैश्विक चेसबोर्ड का केंद्रीय मोहरा, अपने फार्मा उद्योग के दम पर 'विश्व की फार्मेसी' है। 2024 में अमेरिका को 8.7 अरब डॉलर का जेनेरिक दवा निर्यात, जो 2025 में 10.5 अरब डॉलर तक पहुंचा। अमेरिकी प्रिस्क्रिप्शन का 40 प्रतिशत भारतीय जेनेरिक्स पर निर्भर। ट्रंप की ब्रांडेड दवाओं पर नीति से जेनेरिक्स को तत्काल खतरा कम, क्योंकि ये 80-90 प्रतिशत सस्ती हैं। फिर भी, 'ब्रांडेड जेनेरिक्स' को ब्रांडेड श्रेणी में शामिल करने से डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, ल्यूपिन (30-47 प्रतिशत अमेरिकी राजस्व) को नुकसान हो सकता है। बाजार में हलचल—सन फार्मा 3-5 प्रतिशत और फार्मा इंडेक्स 2.4 प्रतिशत गिरा। लेकिन भारत के लिए यह संकट नहीं, अवसर है। कम लागत मॉडल और अमेरिकी प्लांट्स में निवेश (सन फार्मा, बायोकॉन) से भारतीय कंपनियां तूफान पार कर सकती हैं। यह नीति अमेरिकी उपभोक्ताओं को महंगाई दे सकती है, जबकि भारत नई रणनीतियों से चमकेगा।

2013 से 2022 तक अमेरिकी हेल्थकेयर ने भारतीय जेनेरिक से 1.3 ट्रिलियन डॉलर बचाए। लेकिन अगर टैरिफ जेनेरिक दवाओं तक पहुंचा, तो अमेरिकी मरीजों की जेब पर भारी बोझ पड़ेगा। गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे, क्योंकि दवाएं दोगुनी महंगी हो सकती हैं। ट्रंप का दावा है कि लंबे समय में स्थानीय उत्पादन से फायदा होगा, लेकिन अल्पकालिक नुकसान तय है।

यह टैरिफ सिर्फ दवाओं तक सीमित नहीं। ट्रंप ने किचन कैबिनेट्स, बाथरूम वैनिटी और अपहोल्स्टर्ड फर्नीचर पर क्रमशः 50 प्रतिशत और 30 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इससे आयातित सामान महंगा होगा, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं और बिल्डर्स पर दबाव बढ़ेगा। राष्ट्रीय होम बिल्डर्स एसोसिएशन के मुताबिक, निर्माण लागत पहले ही 30 प्रतिशत बढ़ चुकी है। यह कदम अमेरिकी फर्नीचर उद्योग को बचाने की कोशिश है, लेकिन वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को झटका देगा। वियतनाम, चीन और मैक्सिको जैसे देशों से निर्यात प्रभावित होगा, और अमेरिका महंगा बाजार बनेगा।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक श्रृंखलाबद्ध प्रभाव पड़ेगा। यूरोपीय यूनियन, जो अमेरिकी दवा आयात का 60 प्रतिशत हिस्सा आपूर्ति करता है, पहले से ही 15 प्रतिशत टैरिफ का बोझ सह रहा है। अब 100 प्रतिशत टैरिफ का खतरा यूरोपीय ब्रांडेड दवाओं के निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। ट्रंप का चीन के साथ पुराना टकराव नया संकट पैदा करेगा, जहां फार्मा सप्लाई चेन पहले ही दबाव में है। विकासशील देशों के लिए यह चुनौती और गंभीर है- सस्ती दवाओं तक पहुंच सीमित होगी, क्योंकि वैश्विक कीमतें आसमान छूएंगी। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिकी दवा लागत में सालाना 51 अरब डॉलर की वृद्धि हो सकती है। हालांकि, अमेरिका में नई फैक्ट्रियों से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, लेकिन अल्पकालिक मुद्रास्फीति और आपूर्ति बाधाएं वैश्विक विकास दर को 0.5-1 प्रतिशत तक कम कर सकती हैं। भारत के लिए यह दोधारी तलवार है। चुनौती गंभीर है, निर्यात में कमी से लाखों नौकरियां दांव पर हैं। फिर भी, अवसर भी उजागर हैं। यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे उभरते बाजारों में भारत को अपनी पैठ बढ़ानी होगी। 'मेक इन इंडिया' को 'मेक इन अमेरिका' से जोड़कर द्विपक्षीय समझौतों की राह खुल सकती है। सन फार्मा और डॉ. रेड्डीज जैसी कंपनियां पहले से ही अमेरिका में अरबों रुपये का निवेश कर रही हैं। भारत को अपनी सटीक कूटनीति के दम पर चीन का भरोसेमंद विकल्प बनना होगा। भविष्य में जेनेरिक दवाओं से आगे बढ़कर ब्रांडेड और बायोसिमिलर दवाओं में नवाचार अनिवार्य है। महामारी जैसे संकटों में ऐसे टैरिफ वैश्विक सहयोग को कमजोर करेंगे, इसलिए भारत को अपनी कूटनीतिक चतुराई से समाधान तलाशना होगा।

भारत के पास सुनहरा अवसर है: चीन के मुकाबले खुद को विश्वसनीय और सुदृढ़ विकल्प के रूप में स्थापित करने का। वैश्विक स्वास्थ्य के मोर्चे पर यह नीति सहयोग को करारा झटका देगी, क्योंकि दवाएं सीमाओं से परे मानवता की साझा जरूरत हैं। ट्रंप का यह टैरिफ बम वैश्विक आर्थिक संतुलन को उथल-पुथल में डाल रहा है। अमेरिका का संदेश बिल्कुल साफ है- 'हमारा हित सर्वोपरि।' भारत के सामने चुनौती विकट है, मगर रणनीतिक सूझबूझ इसे सुनहरे अवसर में बदल सकती है। वैश्विक व्यापार एक जटिल ताना-बाना है-एक धागा टूटने से पूरी व्यवस्था डगमगा सकती है। इतिहास गवाह है कि संकट ही नई ताकतों को जन्म देते हैं। भारत का फार्मा उद्योग, अपनी अदम्य लचीलता और नवाचार की शक्ति के बल पर, इस तूफान को न केवल झेल सकता है, बल्कि पहले से कहीं अधिक सशक्त होकर उभर सकता है। सवाल यह है- क्या विश्व इस दांव को स्वीकार करेगा, या नई साझेदारियों के साथ करारा जवाब देगा? समय इसका खुलासा करेगा, लेकिन यह शुरुआत निश्चित रूप से विस्फोटक है।

आज विश्व हृदय दिवस

डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानंद व्यास

(वैश्विक नि:शुल्क मानव हृदय देखभाल परामर्शदाता)

दिल धड़कता रहे, जीवन मुस्कुराता रहे

आधुनिक विज्ञान भी इस सत्य की पुष्टि करता है कि हृदय मात्र रक्त पंप करने वाला यंत्र नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, मानसिक शांति, तनाव, प्रेम और आध्यात्मिकता से गहराई से जुड़ा है। Heart–Brain Axis (हृदय-मस्तिष्क संबंध) पर शोध यह सिद्ध कर चुका है कि हृदय की लय में विकृति केवल शारीरिक बीमारी नहीं, बल्कि मानसिक असंतुलन की भी झलक है। आज के युग में जब जीवन की गति तीव्र है, काम का बोझ भारी है, और भोजन-पानी तक कृत्रिम हो गए हैं, हृदय-स्वास्थ्य की रक्षा एक वैश्विक चुनौती बन चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार हर वर्ष करोड़ों लोग हृदय रोग से असमय मृत्यु को प्राप्त होते हैं।

मनुष्य के जीवन में हृदय केवल एक मांसपेशी नहीं है, बल्कि यह जीवन की धड़कन है। जब शिशु गर्भ में पहली बार धड़कता है, तब जीवन का संचार होता है; और जब यह धड़कन रुकती है, तब जीवन का पटाक्षेप हो जाता है। संस्कृत साहित्य में हृदय को 'प्राण-धाम' और 'भावना का उद्गम-स्थल' कहा गया है। वैदिक ऋषि इसे आत्मा का आसन मानते थे।

आधुनिक विज्ञान भी इस सत्य की पुष्टि करता है कि हृदय मात्र रक्त पंप करने वाला यंत्र नहीं है, बल्कि यह भावनाओं, मानसिक शांति, तनाव, प्रेम और आध्यात्मिकता से गहराई से जुड़ा है। Heart–Brain A&is (हृदय-मस्तिष्क संबंध) पर शोध यह सिद्ध कर चुका है कि हृदय की लय में विकृति केवल शारीरिक बीमारी नहीं, बल्कि मानसिक असंतुलन की भी झलक है।

आज के युग में जब जीवन की गति तीव्र है, काम का बोझ भारी है, और भोजन-पानी तक कृत्रिम हो गए हैं, हृदय-स्वास्थ्य की रक्षा एक वैश्विक चुनौती बन चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर वर्ष करोड़ों लोग हृदय रोग से असमय मृत्यु को प्राप्त होते हैं।

अतः यह केवल रोग और इलाज का विवरण नहीं है, बल्कि एक जीवन-पथ है–जहाँ भोजन, व्यायाम, ध्यान, फल, नट्स, ओमेगा-3, आंत स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन सब मिलकर हृदय को दीर्घायु और आनंदमय बनाते हैं।

आधुनिक युग की सुविधा-संपन्नता ने हमें गति तो दी, परंतु स्वास्थ्य छीन लिया। अब अधिकांश लोग घंटों कुर्सी पर बैठे रहते हैं, तनाव में जीते हैं, और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों पर निर्भर हैं।

तनाव: आज का सबसे बड़ा हृदय-विनाशी कारक है। जब व्यक्ति लंबे समय तक मानसिक दबाव में रहता है, तो रक्तचाप बढ़ जाता है, हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं, और हृदय पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

जंक फूड और प्रोसेस्ड डाइट: बाजार के चमकीले पैकेट में बंद भोजन स्वाद में भले ही आकर्षक हो, परंतु यह ट्रांस-फैट्स, अतिरिक्त नमक और शक्कर से भरपूर होता है। इससे मोटापा, उच्च रक्तचाप और डायबिटीज़ की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

शारीरिक निष्क्रियता: कार्यालयों की कुर्सी, गाड़ियों की सीट और घर की स्क्रीन–इन तीन जगहों ने मनुष्य को बाँध दिया है। WHO के अनुसार दिनभर बैठने वाले लोगों में हृदयाघात का खतरा 40 प्रतिशत अधिक है।

प्रदूषण और पर्यावरणीय संकट: धूल, धुआँ और प्रदूषण भी हृदय पर सीधा प्रभाव डालते हैं। फेफड़ों से होकर रक्त में जाने वाले सूक्ष्म कण हृदय की धमनियों में सूजन और अवरोध पैदा करते हैं। इसीलिए आधुनिक जीवनशैली को संतुलित करना आज सबसे बड़ी आवश्यकता है। बिना जीवनशैली में सुधार किए हृदय-स्वास्थ्य असंभव है।

हृदय रोगों के प्रमुख कारण

1. **चिकित्सीय कारण:** उच्च रक्तचाप , मधुमेह , मोटापा, उच्च कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स, धूम्रपान और मद्यपान, वंशानुगत प्रवृत्ति

2. **आध्यात्मिक और मानसिक कारण:** भारतीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो हृदय रोग का भी मूल कारण है। ऋग्वेद में कहा गया है– 'हृदा मनीषा मनसा अभिनद्यते'

अर्थात् हृदय और मन में गहरा संबंध है। यदि मन अस्थिर है, तो हृदय भी अस्वस्थ हो जाएगा।

3. **नवीन शोध:** आधुनिक शोध यह दिखा रहे हैं कि सूजन (Inflammation) हृदय रोग का मूल कारण है। प्रोसेस्ड भोजन, तनाव और नींद की कमी से शरीर में सूजन बढ़ती है, जिससे धमनियों में प्लाक जमता है और रक्तप्रवाह बाधित होता है।

निष्कर्ष यह कि हृदय-रोग केवल डॉक्टर या दवा से नहीं मिटता। इसके लिए शरीर, मन और आत्मा - तीनों का संतुलन आवश्यक है।

4. **जीवनशैली सुधार:** योग, ध्यान और संतुलित दिनचर्या। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए केवल दवा पर्याप्त नहीं। जीवनशैली में क्रांतिकारी परिवर्तन ही स्थायी उपाय है।

योग और प्राणायाम: योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि यह शरीर-मन-आत्मा का विज्ञान है। अनुलोम-विलोम से रक्तचाप संतुलित होता है। कपालभाति से फेफड़े शुद्ध होते हैं और रक्त में ऑक्सीजन बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम से तनाव और चिंता कम होकर हृदय की गति नियमित होती है। इसके अलावा ध्यान, संतुलित दिनचर्या, 20 मिनट चलना चाहिए।

सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य: हृदय केवल शरीर का नहीं, भावनाओं का भी केंद्र है। परिवार के साथ समय बिताना, संगीत सुनना, प्रकृति से जुड़ना–ये सब हृदय को गहराई से स्वस्थ रखते हैं। जब जीवनशैली में संतुलन आता है, तो हृदय न केवल रोग-मुक्त होता है, बल्कि व्यक्ति ऊर्जा, आनंद और दीर्घायु का अधिकारी बनता है।

माँ गढ़ कालिका के आंगन में मातृशक्ति के उमड़े सैलाब से धारा नगरी की पावन धरा धन्य हो गई

जय माता दी के उद्घोष से उत्सव और उल्लास की नगरी का पोर- पोर उत्साहित

धार, राजेश शर्मा । बाबा धारनाथ और माँ गढ़ कालिका की पावन नगरी, राजा भोज की ऐतिहासिक धारा नगरी उत्सव और उल्लास की नगरी के रूप में प्रसिद्ध है । इस उत्सव प्रिय शहर का कोई भी आयोजन किसी त्यौहार से कम नहीं होता है। बारिश की बुंदे भी मानों आज मां गढ़ कालिका का अभिषेक कर रही थी। रविवार का दिन शक्ति की भक्ति के अनूठे रंग से सराबोर था। जय माता दी के उद्घोष से उत्सव और उल्लास की नगरी का पोर- पोर उत्साहित था। धार की प्रसिद्ध सर्व धर्म ऐतिहासिक चुनरी कलश यात्रा में माता- बहनों की आस्था के उमड़े सैलाब से धार की पावन धरा धन्य हो गई। हजारों -हजार माता- बहनों की उपस्थिति से धार की धरा पर मातृशक्ति का महाकुंभ सा नजारा दिखाई दिया। शहर में कलश यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत हुआ।

कुलदीप सिंह बुन्देला, यात्रा अध्यक्ष कृष्णकांत पटेल के नेतृत्व में निकली 21वी चुनरी कलश यात्रा – धार शहर में प्रति वर्ष शारदीय नवरात्रि में निकलने वाली चुनरी कलश यात्रा मध्यप्रदेश की यह पहली ऐसी चुनरी यात्रा है जिसमें सभी धर्म के लोगों की उपस्थिति रहती है। इस चुनरी यात्रा का नाम ही सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा रखा गया है। 21 वर्ष पूर्व कांग्रेस के कद्दावर नेता, पूर्व विधायक स्व.मोहन सिंह बुन्देला ने इस यात्रा की शुरुआत की थी ।

माता – बहनें अपने सिर पर कलश धारण किए गरबा नृत्य करते हुए चल रही थीं – माता - बहनें अपने सिर पर कलश धारण किए गरबा नृत्य करते हुए चल रही थी। यात्रा न्यू लक्की चौराहा बस स्टैंड धार से प्रारंभ हुई तथा लालबाग होते हुए शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए मां गढ़ कालिका मंदिर पहुंचकर मां से अमन चैन की प्रार्थना कर चुनरी अर्पित की।

● **चुनरी कलश यात्रा में शामिल हुए गणमान्य** – यात्रा में भेरू मुकाती ,सत्यशील राव पंवार , अंतर सिंह दरबार पूर्व विधायक , पर्वत सिंह चौहान ,लक्ष्मीनारायण पटेल, प्रमोद सेनापति ,कुलदीप सिंह डंग,नरेंद्र सिंह बुंदेला , कमल सिंह देदला दरबार,धीरेंद्र दिघे ,शकील खान , डॉ.नाहर , मजहर हुसैन,अल्लू भाई, मोहन सिंह कुंवरसी,राधेश्याम मुवेल,राजेश झंवर, रामेश्वर रघुवंशी,अरुण ठेकदार,ओम राठौर,अकबर भाई , शैलेन्द्र भाई ,उदयराम पाटीदार, बाबू भाई , सुरेश पटेल, सभापति स्वास्थ्य समिति प्रेम पाटीदार,ओम प्रकाश झारिया,सुधाकर महाजन, बंशी वर्मा ,सुनील वर्मा,सुरेश चौकसे, ,परमेश्वर रघुवंशी ,गोरधन बिरला, हुकुम सिंह चंबल बड़ौदा, कृष्णा मामा ,आनंदीलाल व्यास एड.,ओमनारायण सिंह चौहान एड.,देवाराम प्रजापत ठेकदार, अजय सोलंकी (अज्जू भाई लक्ष्मी टीवी) सोहन पटेल,बहादुर सिंह बुंदेला,विष्णु राठौर, मनोज पाटीदार, सोहन नवाद,जितेंद्र पटेल,तपन जैन, दिनेश वर्मा ,मदन मानकर ,शरद भाई,अशोक पटेल आहू ,शंकर ठाकुर, रोहित कामदार, कृष्णा पंवार,जोगेंद्र सिंह बना ,सोहन नवाद, पार्षद ईश्वर ठाकुर , महावीर सिंह बुंदेला ,राकेश ठाकुर ,दिनेश ठाकुर,मुकेश बाबा,रणवीर सिंह,लोकेश मकवाना,रमेश पाटीदार,बंसीलाल मकवाना, प्रकाश रघुवंशी,सुरेश परमार ,कृष्णा नवाद,किशोर सोलंकी, सुलेमान भाई,सुरेश कामदार,विक्रम पटेल देदला,नाना भाई जैन ,एवं हजारों भक्तगण शामिल हुए ।

जिला अस्पताल में शुरू किया था सिस्टम, चंद महीने में ही हो गया बंद

टोकन सिस्टम फेल, मरीज कतारों में खा रहे धक्के

बैतूल। जिला अस्पताल में सुविधाओं के नाम पर स्वास्थ्य विभाग सिर्फ बजट खर्च करने का ही काम कर रहा है। इससे आम लोगों को फायदा हो रहा है या नहीं, इस पर किसी का ध्यान नहीं है। मरीजों को कतार में नहीं लगना पड़े इसके लिए क्यू मैनेजमेंट सिस्टम यानी टोकन सुविधा शुरू करने के लिए सेटअप लगाया था। दावा किया गया था कि टोकन लेने के बाद मरीज को पर्चा बनवाने से लेकर डॉक्टर को दिखाने और दवा लेने के लिए कतार में नहीं खड़ा होना पड़ेगा। लेकिन पिछले कई माह से यह सुविधा बंद है। इससे मरीजों को कतार में खड़े होकर ही अपना इलाज करवाना पड़ रहा है। बता दे कि जिला अस्पताल में रोजाना औसतन 800 से 1000 मरीज पहुंचते हैं। इससे लोगों को पर्चा बनवाने से लेकर डॉक्टर को दिखाने तक कतारों से जूझना पड़ रहा है। मरीजों की परेशानी को देखते हुए स्वास्थ्य सेवा को डिजिटल करने के लिए पिछले साल राशि खर्च करते हुए टोकन सिस्टम लगाया था। इसमें जनरल मेडिसिन, नेत्र विभाग, गायनिक वार्ड आदि जगह इलेक्ट्रॉनिक डिस्पले लगाकर सॉफ्टवेयर इंस्टॉल किया था, लेकिन यह सिस्टम धरा रह गया।

मरीज बढ़ते ही डॉक्टर पर्चा देख लिख देते दवाइयां – जिला अस्पताल में स्थिति यह है कि सबसे पहले ओपीडी की पर्ची बनवानी पड़ती है, इसके बाद संबंधित डॉक्टर के चेंबर में जाना पड़ता। रोजाना औसतन 800 से अधिक मरीजों के पहुंचने से पर्ची बनवाने से लेकर डॉक्टर कक्ष के बाहर कतार लगते हुए धक्का-मुक्की खाते मरीजों को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। यही स्थिति दवाई वितरण केंद्र पर भी बन रही है। डॉक्टर कक्ष में भी भीड़-भाड़ होने से मरीजों का ठीक से उपचार तक नहीं मिलता। डॉक्टर भी पर्ची हाथ में लेकर बिना चेकअप और मरीजों से पूछकर ट्रीटमेंट लिखते हुए मरीजों को रवाना कर देते है।

नए भवन बन रहे, सुविधाएं वहीं की वहीं – जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नए-नए भवन बन रहे है, लेकिन सबसे जरूरी उपचार की सुविधा अब भी अस्पताल में वहीं की वहीं है। जिला अस्पताल में न तो स्वीकृत पद के बराबर डॉक्टर, विशेषज्ञ मौजूद है और न ही स्टॉप की पूर्ति हो पाई है। जिसके कारण अक्सर अस्पताल की व्यवस्थाएं बिगड़ती है। ऊपर से डॉक्टरों पर काम का बोझ भी बढ़ता जा रहा है। हालात यह है कि वर्तमान में मरीजों को पर्ची कटवाने के बाद डॉक्टरों के कक्ष के सामने लंबी लाइन में घंटो खड़ा रहकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में बुजूर्ग मरीजों को काफी परेशानियां उठानी पड़ती है।

सिस्टम से डॉक्टरों पर सीधी निगरानी का था दावा. – ओपीडी के समय डॉक्टरों की निगरानी भी इस सिस्टम से होना थी, लेकिन अब ओपीडी के समय ही अधिकांश डॉक्टर या तो यहां-वहां घूमते रहते है। ऐसी स्थिति आए दिन देखने को मिलती है। इसके चलते भी मरीजों को काफी समय तक इंतजार करना पड़ता है। हालांकि अस्पताल की व्यवस्थाओं को सुधारने के लिए अधिकारी निरंतर प्रयासरत है, लेकिन कर्मचारियों की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं आ रहा है। यहां तक कि कई बार मरीजों के परिजनों को ही स्ट्रेक्चर वार्ड तक ले जाना पड़ता है और कर्मचारी गायब रहते है। इधर पर्ची बनाने के लिए भी मरीजों को लंबी कतार में खड़े रहकर पर्ची बनवाना पड़ता है और उपचार होने तक मरीज दर्द से कहराते रहते है।

इनका कहना है –

टोकन सिस्टम के संचालन में कुछ तकनीकी गड़बडियां थी। जिसका पुन- सुधार करने के बाद शुरू करेगे। इसके अलावा पूरे अस्पताल को डिजीटलाइस किया जायेगा। जिसमें पता चल पायेगा कि कौन किस कक्ष में बैठा है।

– डॉ. जगदीश घोरे, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल बैतूल

मोदी के मन की बात कार्यक्रम को प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने घाटाबिल्लौद में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सुना

धार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मन की बात के 126वें संस्करण को जिले के प्रभारी मंत्री तथा नगरीय विकास एवं आवास संसदीय कार्य विभाग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने धार विधानसभा क्षेत्र के घाटाबिल्लौद के वार्ड क्रमांक 9, बूथ नंबर 156 पर भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती के साथ रेडियो कार्यक्रम सुना। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री के उद्गार में भारत के सुनहरे भविष्य की झलक स्पष्ट सुनाई दी। उनका संदेश समाज की सामूहिक प्रगति का मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय एकता का सशक्त आह्वान था। सभी ने मिलकर प्रधानमंत्री के विचारों से नई ऊर्जा, नए संकल्प और नयी प्रेरणा ग्रहण की। इस अवसर पर भाजपा नेता घनश्याम जाजू ,पूर्व जिला महामंत्री उमेश गुप्ता,जिला मंत्री जीवन रघुवंशी महेश बैरागी, महेश रावला, कपिल निनामा भाजपा खेल प्रकोष्ठ जिला संयोजक लाखन सिंह राठौर नवासा,सुमित रघुवंशी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवा पखवाड़े में ग्राम रोजगार सहायकों का योगदान सराहनीय : केंद्रीय मंत्री श्री उइके

ग्राम रोजगार सहायकों के शिविर में हुआ 171 यूनिट रक्तदान

बैतूल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़े के तहत ग्राम रोजगार सहायकों द्वारा रविवार को जेएच कॉलेज के ऑडिटोरियम में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वती बारस्कर, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार, मंगल सिंह सहित कई गणमान्य जनप्रतिनिधि भी कार्यक्रम में मौजूद थे। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान अतिथियों ने रक्तदान शिविर का अवलोकन भी किया। शिविर में कुल 171 यूनिट रक्तदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी बड़ी एलईडी के माध्यम से देखा और सुना गया।

केंद्रीय राज्यमंत्री श्री उइके ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे पूर्वजों ने हमें विविध संस्कार और पर्व-त्यौहार की परंपराएं दी हैं, जो हमारी संस्कृति की पहचान हैं। हमारे वेदों में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि सेवा परमो धर्म सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। जब हम सेवा भाव से समाज के लिए कार्य करते हैं, तभी जीवन का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होता है। ग्राम रोजगार सहायकों द्वारा आयोजित रक्तदान महादान शिविर इसी सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। रक्तदान से बढ़कर कोई महादान नहीं, क्योंकि यह सीधे-सीधे मानव जीवन को बचाने का कार्य करता है।

रक्तदान से बढ़कर कोई महादान नहीं- सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित रक्तदान महादान शिविर को संबोधित करते हुए विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि मानव सेवा ही नारायण सेवा है और रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता, यह जीवनदान है और मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से लेकर गांधी जयंती तक चल रहा सेवा पखवाड़ा पूरे देश में जनजागरण और सेवा भावना का प्रतीक बन चुका है। बैतूल जिले ने इस अभियान को विशेष रूप से जन आंदोलन का रूप दिया है। विधायक श्री खंडेलवाल ने ग्राम रोजगार सहायकों की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान शिविर का आयोजन कर उन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि सरकारी कर्मचारी भी समाजहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।

जनहित की योजनाएं प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे: सुधाकर पवार

बैतूल। मेरा युवा भारत बैतूल युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा फ्लैगशिप कार्यशाला का आयोजन स्वामी विवेकानंद हाल में किया गया। कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, समाजसेवी ऋषिराज सिंह परिहार के आतिथ्य में और जिला युवा अधिकारी मेरा युवा भारत श्रीमती सुषमा गवली की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस मौके पर सुधाकर पवार ने भारत सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन जनकल्याणकारी व जनहित की योजनाएं जन-जन तक पहुंचाने की की विशेष आवश्यकता है। पार्वतीबाई बारस्कर ने कहा कि आज भारत तेजी से विकास के पथ गतिमान है। ऋषिराज सिंह परिहार ने कहा कि भारत सरकार युवाओं के उत्थान के लिए हर क्षेत्र में हर संभव प्रयास कर रही है और जिसके अच्छे परिणाम आ रहें हैं। डॉ. राजेश परिहार द्वारा आयुष्मान भारत व प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की, डॉ.महेश गुंजेले ने डिजिटल इंडिया, प्रवीण खरजे द्वारा स्किल मिशन की और गोविंदा पवार ने जल जीवन मिशन की जानकारी विस्तार से दी गई। सुषमा गवली ने कहा कि भारत सरकार की योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, स्किल मिशन,जल जीवन मिशन, स्वच्छता, डिजिटल इंडिया पर कार्यशाला कर विषय विशेषज्ञ द्वारा युवाओं को जानकारी कार्यशाला के माध्यम से दी जाएगी। हुकुमचंद पवार ने बताया कि कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने सरकार की लाभकारी योजनाओं की जानकारी के विषय में समझा अंत में सभी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन धनंजय सिंह ठाकुर द्वारा व आभार कार्यक्रम पर्यवेक्षक लेखपाल सीआर जगेला द्वारा व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में सुशील उदयपुरे, गजेंद्र पवार, संजना धुर्वे, सुरभि मोहोबे, जयश्री शेषकर, श्याम डायरी, इश्तियाक अली, संजय पंडाग्रे ,जीवन,अमर दास गुजरे, निखिल साहू आदि मौजूद थे।

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित हुई पत्रकारवार्ता

मंत्री विजयवर्गीय को पद से हटाने कांग्रेस उतरेगी सड़कों पर

बैतूल। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई, जिसमें अजजा कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष चंदा सरवटे ने कहा कि मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा एक महिला के प्रति दिए अशोभनीय बयान बेहद खेदजनक है। मंत्री श्री विजयवर्गीय इस मामले में सार्वजनिक रूप से माफी मांगे और अगर माफी नहीं मांगेंगे, तो प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव उन्हें मंत्रिमंडल से पृथक करें, अन्यथा कांग्रेस सड़क पर उतरेगी। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष व पूर्व विधायक निलय डागा की मौजूदगी में उनके नेतृत्व में आयोजित पत्रकार वार्ता में आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम, घोड़ाडोंगरी के पूर्व विधायक ब्रह्मा भलावी, भैंसदेही के पूर्व विधायक धरमूसिंह सिरसाम, मुलताई के पूर्व विधायक डॉ पी. आर. बोडखे, महिला कांग्रेस बैतूल की जिलाध्यक्ष पुष्पा पेड्राम आदि मौजूद थे। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश अजजा अध्यक्ष चंदा सरवटे ने कहा कि द्वापर में एक नारी की अपमान होने पर महाभारत हो चुका है, जिसे सब जानते हैं। आज उन्होंने हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष और उनकी बहन के बारे में अशोभनीय अमर्यादित टिप्पणी की है, इसके विरोध में कांग्रेस सडक़ पर उतरेगी और साथ ही समस्त महिला विंग इसका पुरजोर विरोध करेगी। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक निलय डागा ने बैतूल जिले में हुए भ्रष्टाचार के एक बड़ा मामले को जल्द ही उजागर करने की बात कहकर पत्रकार वार्ता में सनसनी फैला दी। उन्होंने दावा किया है कि भाजपा सरकार में हर स्तर पर भ्रष्टाचार हो रहा और उनके कार्यकर्ता भ्रष्टाचार में लिप्त है, जिसका एक उदाहरण बहुत जल्द ही वे सार्वजनिक करने वाले हैं। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक निलय डागा ने कहा कि भाजपा सरकार पिछले 9 साल से जीएसटी के नाम पर देश की जनता को लूटने का काम कर रही है और अब भाजपा जीएसटी कम करके बचत उत्सव मना रही है, जबकि उन्हें तो जनता के बीच पहुंचकर माफी मांगनी चाहिए। हमारे नेता राहुल गांधी तो शुरू से ही कह रहे है कि जीएसटी का एक ही स्लैब होकर इसे कम होनी चाहिए।

कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों की बैठक आज

संगठनात्मक मजबूती पर होगा मंथन

बैतूल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशों के तहत जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल द्वारा जिले की सभी पांचों विधानसभा क्षेत्रों में मंडलम स्तर पर नियुक्त किए गए संगठन प्रभारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आज 29 सितंबर को दोपहर 2 बजे कांग्रेस कार्यालय, बैतूल में आयोजित की गई है। यह बैठक जिला कांग्रेस अध्यक्ष निलय विनोद डागा की उपस्थिति में संपन्न होगी, जिसमें सभी नवनियुक्त प्रभारियों को आगामी संगठनात्मक दायित्वों की जानकारी दी जाएगी। गौरतलब है कि जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण, बी एल ए,वोट चोर गद्दी छोड़ो राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान, कांग्रेस के जीएसटी स्लैब के जनजागरण अभियान एवं मंडलम-सेक्टर कमेटियों के पुनर्गठन हेतु जिला कांग्रेस द्वारा संगठनात्मक सर्जरी करते हुए बड़ी संख्या में मंडलम प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। आज की बैठक में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य बताई गई है, ताकि पार्टी द्वारा आगामी दिनों में प्रस्तावित कार्यक्रमों की योजना बनाई जा सके और समन्वय के साथ कार्यों को धरातल पर उतारा जा सके। बैठक में सभी प्रभारियों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को लेकर विस्तृत निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, समन्वय की कार्ययोजना और संगठनात्मक रिपोर्टिंग की प्रक्रिया को भी स्पष्ट किया जाएगा।

श्री राजेंद्र सूरी शा. महा. राजगढ़- सरदारपुर में सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत रक्त-परीक्षण शिविर एवं स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार आयोजित

धार। श्री राजेंद्र सूरी शासकीय महाविद्यालय राजगढ़- सरदारपुर में सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत ''रक्त परीक्षण शिविर'' एवं ''स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार'' प्राचार्य प्रो.एल.एस.अलावा, नोडल अधिकारी डॉ. मोहितसिंह चैहान एवं कार्यक्रम प्रभारी डॉ. बी.एस.बघेल तथा प्रो.सरिता जैन के मार्गदर्शन एवं संयोजन में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में सोहन पटेल मण्डल अध्यक्ष भाजपा राजगढ, विशेष अतिथि पंकज बारोड़ पार्षद नगर परिषद राजगढ़, गोविंद चौधरी, युवा मोर्चा मण्डल महामंत्री पीएचसी. राजगढ़ से डॉ.सीमा कटारा, डॉ. अथर्व शर्मा के आतिथ्य में संपन्न हुआ। अतिथि स्वागत डॉ.ममता दास ने किया।

डॉ.बी.एस.बघेल ने रक्त समूह के बारे में जानकारी दी। प्रो.आर.के.जैन, अध्यक्ष वाणिज्य मण्डल देवी अहिल्या वि.वि.इन्दौर

ने रक्तदान के महत्व पर विचार व्यक्त किये। प्रो.सरिता जैन, द्वारा रक्त परीक्षण की आवश्यकता के संबध में अपने विचार व्यक्त किये। अतिथि उद्बोधन में सोहन पटेल ने शबरी संस्था के माध्यम से रक्तमित्र के रूप में किये जा रहे कार्यो की जानकारी दी। डॉ.अथर्व शर्मा, ने सिकल सेल एनिमिया के दुष्प्रभाव पर प्रकाश डाला। ए.एन.एम. अनिता ग्रेवाल एम.पी.डब्ल्यू हेमन्तसिंह डोडियार, सुपरवाईजर पदमा चैहान, आशा कार्यकर्ता पुजा कटारा के द्वारा रक्त परीक्षण, हीमोग्लाबिन, रक्तचाप, आर.बी.सी. आदि का परीक्षण किया गया। महाविद्यालयन विद्यार्थी दीपेश सेन, राहुल रावत, वैभव बैरागी, दिशांत परमार द्वारा स्वास्थ्य विभाग टीम का सहयोग किया गया। महाविद्यालय के लगभग 70 छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ ने परीक्षण करवाया, तथा दो छात्राएं एनिमिक पायी गई। संचालन नोडल प्रभारी डॉ.मोहितसिंह चैहान ने किया एवं आभार डॉ.डी.एस.मुजाल्दा ने माना। कार्यक्रम में प्रो.सुरेन्द्र रावत, डॉ. राकेश शिन्दे, डॉ.निधि बाजपेई , लालिमा विजयवर्गीय, डॉ राधा आंलसे, डॉ. बसंती मुजाल्दा, अंजली भाटी, डॉ. रीना खाण्डेकर, विजयाराजे दरबार, महेंद्र अलावा, दीपेश डांगी, महेश उपाध्याय, कमलेश चौहान, योगेश सांकला, अजय राठौर, मीना अलावा, खुशी गेहलोत, बिन्दु गोखले और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

केपी अग्निहोत्री बने जन परिषद की इंटर स्टेट कमेटी के सचिव

बैतूल / भौंरा। वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी केपी अग्निहोत्री को अखिल भारतीय स्तर की गैर-राजनीतिक एवं सामाजिक संस्था जन परिषद की डिस्ट्रिक्ट/इंटरस्टेट कोऑर्डिनेशन कमेटी का सचिव मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति संस्था के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एनके त्रिपाठी ने महासचिव ओपी गुप्ता और अजय श्रीवास्तव नीलू की अनुशंसा पर की। जन परिषद के राष्ट्रीय संयोजक रामजी श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था पिछले 36 वर्षों से सामाजिक कार्यों में सक्रिय है। संस्था अब तक पर्यावरण पर 12 अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी और कई ऐतिहासिक संदर्भ ग्रंथों का प्रकाशन भी कर चुकी है। वर्तमान में इसके देश में 275 से अधिक एवं विदेशों में 7 चैप्टर सक्रिय हैं। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते कैलाश प्रसाद (केपी) अग्निहोत्री ने कहा कि जन परिषद ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं संस्था का आभारी हूं। समाज की भलाई और रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाना ही मेरा संकल्प है। मैं जन परिषद के उद्देश्यों और मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करूंगा। श्री अग्निहोत्री की नियुक्ति पर जन परिषद बैतूल चैप्टर, मुलताई चैप्टर, बैतूलबाजार चैप्टर और भौंरा चैप्टर के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

पुलिस ने नाबालिग बालिका को राजस्थान से दस्तयाब किया

बैतूल। जिले की भैंसदेही पुलिस ने एक गुमशुदा नाबालिग बालिका को राजस्थान से सुरक्षित ढूंढ निकाला और परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देश पर जिले में गुम बच्चों को खोजने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत थाना भैंसदेही पुलिस को यह सफलता मिली। सितंबर 2025 में फरियादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी को कोई बहला-फुसलाकर ले गया है।

दुनिया देखेगी सिंहस्थ-2028 का वैभव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

* उज्जैन के प्रमुख मंदिरों का भी किया जाएगा विस्तारीकरण * सिंहस्थ आयोजन से संबंधित निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण किए जाएं * उज्जैन को दी विकास कार्यों की सौगात * 370 करोड़ रुपए की राशि के 11 कार्यों का एवं नवीन संयुक्त प्रशासनिक भवन का किया भूमिपूजन

भोपाल/उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 में भारतीय संस्कृति का वैभव पूरी दुनिया देखेगी। सिंहस्थ 2028 के लिए हाल ही में 2675 करोड़ रुपए की लागत राशि से 33 प्रमुख कार्यों को मंजूरी दी गई है। उज्जैन के प्रमुख मंदिरों का भी विस्तारीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला कार्यालय एक ही छत के नीचे होने चाहिए इसलिए नवीन कलेक्टर कार्यालय भवन के निर्माण की आज आधारशिला रखी गई है। कलेक्टर कार्यालय का नवीन भवन 7 मंजिला बनेगा। नवरात्रि पर मां हरसिद्धी और भगवान श्रीमहाकाल की कृपा से उज्जैन को लगभग 370 करोड़ लाख लागत के 11 विकास कार्यों की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को उज्जैन में नवीन संयुक्त प्रशासनिक भवन के साथ अन्य विकास कार्यों के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कन्या पूजन और दीप प्रज्वल कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिए शिप्रा नदी पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे सुविधायुक्त नवीन घाटों का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही पुराने घाटों का उन्नयन कर 5 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान की व्यवस्था की जा रही है। शिप्रा नदी पर ब्रिजों की श्रृंखलाओं का निर्माण किया जा रहा है। बहुत जल्द मेट्रो ट्रेन भी उज्जैन में आएगी। उन्होंने कहा कि कृषकों के लिए भावांतर योजना लागू कर लगभग 35 लाख से अधिक किसानों को लाभ दिया जायेगा। सिंहस्थ के लिए साधु-संतों की मंशानुसार कार्य हो रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा

के लिए सिंहस्थ में क्राउड मैनेजमेंट, मध्यप्रदेश और उज्जैन की कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिप्रा नदी पर 77 करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाले 4 नए पुलों से आने वाले दिनों में मोक्षदायिनी शिप्रा मैया पुलों वाली नदी भी कहलाएंगी। यह उज्जैन की काया पलटने वाले विकास कार्य हैं जो सिंहस्थ-2028 को भव्यता प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लगभग 135 करोड़ रुपये की लागत से उज्जैन में बन रहा संयुक्त प्रशासनिक भवन लोक-कल्याण और सुशासन का उदाहरण बनेगा। यह अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं से सुसज्जित होगा। अधिकारियों के लिए नवीन आवासीय भवन बनाए जायेंगे।

इस अवसर पर विधायक श्री सतीश मालवीय ने कहा कि उज्जैन की दिशा और दशा बदलने का काम निरंतर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हो रहा है। एक ही छत के नीचे जिला अधिकारी नवीन प्रशासनिक भवन में आमजन की सेवा में अपना काम करेंगे। विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा शिप्रा नदी में कान्ह नदी का पानी न मिले इसके लिए कान्ह डायवर्जन योजना का कार्य निरंतर जारी है। उन्होंने कहा कि उज्जैन शहर के साथ-साथ इंदौर एवं उज्जैन संभाग के जिलों में विकास के कार्य कराएं जा रहे है।

इन विकास कार्यों का भी हुआ शिलान्यास- कार्तिक चौक से शंकराचार्य चौराहा रोड (छोटा पुल) शिप्रा नदी पर पुल के निर्माण के लिए 27.06 करोड़, लालपुल के डाउन स्ट्रीम में रेल्वे पुल के समानांतर शिप्रा नदी पर नवीन 4 लेन पुल निर्माण के लिए 17.69 करोड़, काल भैरव मंदिर से गढकालिका मार्ग (ओखलेश्वर) को जोडने वाले पुल के समानांतर शिप्रा नदी पर नवीन टू लेन पुल के निर्माण के लिए 13.96 करोड, एम.आर 24 इन्दौर मार्ग से चिंतामन रेल्वे स्टेशन मार्ग पर शिप्रा नदी पर नवीन 4 लेन पुल निर्माण के लिए 15.86 करोड, उज्जैन शहर की ओर आने वाले प्रमुख मार्गों पर शहर से 10 कि.मी. दूरी पर नवीन विश्राम गृह निर्माण 20.64 करोड, केंद्रीय जेल उज्जैन में आवास गृहों के निर्माण 19.18 करोड़,100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल माधवनगर का 200 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन में उन्नयन / निर्माण कार्य के लिए 24.08 करोड़, मुल्लापुरा में 50 कक्षों के नवीन सर्किट हाउस निर्माण के लिए 49.10 करोड़ और पंचक्रोशी यात्रा मार्ग के 06 पड़ाव एवं उप पड़ाव पर सुविधा केंद्र निर्माण कार्य (डोम, शौचालय एवं रसोईघर) के लिए 14.52 करोड़ रुपए के कार्यों का भूमि पूजन हुआ।इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्री बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, महापौर श्री मुकेश टटवाल, सभापती श्रीमती कलावती यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर, उपाध्यक्ष श्रीमती शिवानी कुंवर, पूर्व विधायक श्री राजेन्द्र भारती, श्री संजय अग्रवाल, श्री रुप पमनानी, श्री विशाल राजौरिया, श्री जगदीश पांचाल, श्री ओम जैन, श्री आनंद खिची, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा तथा बड़ी संख्या में गणमान्यनागरिक उपस्थित थे।

सांदीपनि विद्यालय घोड़ाडोंगरी में चित्रकला रंगोली और निबंध प्रतियोगिता आयोजित

विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके ने देश में बनी स्वदेशी वस्तुएं खरीदने की दिलाई शपथ

बैतूल (निप्र)। जिले में 17 सितंबर से प्रारंभ होकर आगामी 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पखवाड़े के तहत सांदीपनि विद्यालय घोड़ाडोंगरी में 26 सितंबर को चित्रकला, रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्रीमती गंगा सज्जनसिंह उइके एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिता की प्रदर्शनियों का विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उइके एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा अवलोकन किया गया एवं विद्यार्थियों से वन टू वन चर्चा की गई। विधायक श्रीमती गंगा सज्जन सिंह उईके ने अपने उद्बोधन में सेवा पखवाड़ा, स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति एवं प्रत्येक भारतीय को देश में ही बनी स्वदेशी वस्तु खरीदने का आह्वान किया एवं उपस्थित सभी लोगों को शपथ दिलाई गई। प्राचार्य श्री विवेक तिवारी ने बताया कि सेवा पखवाड़ा अंतर्गत इसके पूर्व विद्यालय में नशा मुक्ति, पौधरोपण, जल संरक्षण के लिए विशाल जन जागरण रैली का आयोजन किया गया तथा पुलिस विभाग घोड़ाडोंगरी के सहयोग से एनसीसी के छात्रों द्वारा यातायात व्यवस्था में जागरूकता लाने के लिए अभियान चलाया गया।

प्रतिभागियों को शील्ड देकर किया पुरस्कृत

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव रामजीलाल उईके, राजेंद्र मालवीय, राकेश अरोरा, आभाष मिश्रा, इंदल यादव, पार्षद श्रीमती नेहा उईके, नीतू सोनी, दीप्ति शर्मा, सुरेखा चौधरी, श्रीमती उर्मिला तिवारी, संगीता साहू सहित विकासखंड शिक्षा अधिकारी डी के मानकर, जनपद शिक्षा केंद्र प्रभारी पीसी बोस एवं सांदीपनि विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाये उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

एक घंटा एक साथ श्रमदान गतिविधि अंतर्गत कार्यालय परिसर में साफ सफाई की गई

विदिशा (निप्र)। सेवा पखवाड़ा अंतर्गत स्वच्छता ही सेवा 2025 कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज गुरुवार को जिला पंचायत कार्यालय परिसर में ष्एक घंटा एक साथ श्रमदान गतिविधि अंतर्गत साफ-सफाई कर श्रमदान किया गया। साफ सफाई कर श्रमदान कार्यों में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, श्री कैलाश रघुवंशी, श्री लखन पटेल, जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया, जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री पंकज जैन, जिला समन्वयक एसबीएमजी श्री राधेश्याम खंगार, परियोजना अधिकारी श्री सुरेश वर्मा, जिला समन्वयक, ऑडिट श्री विशाल शर्मा, जिला युवा अधिकारी आकांक्षा महावरिया युवा कार्यक्रम एंव खेल मंत्रालय, श्री सुधीर जैन, श्री प्रदीप पण्डया, श्री सुबोध शेवड़े, श्री विजय देवरिया, श्री समीर सेंगर, श्री सूर्यवंशी, श्री राकेश शर्मा, श्री रामबाबू शर्मा, श्री राजकुमार कुशवाह, श्री मुकेश अहिरवार, श्री सीताराम अहिरवार, श्री अनिल रैकवार, श्री रूपसिंह एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारियों की सहभागिता रही।

प्राकृतिक खेती के संबंध में पांच दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण का प्रारम्भ

हरदा (निप्र)। विज्ञान केंद्र हरदा द्वारा राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन कार्यक्रम के तहत 25 से 29 सितंबर तक कृषि पांच दिवसीय कृषि सखी एवं सीआरपी प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र हरदा एवं परियोजना संचालक आत्मा- किसान कल्याण एवं कृषि विभाग के सहयोग से चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि कृषि स्थाई समिति के अध्यक्ष श्री ललित पटेल, विशिष्ट अतिथि उप संचालक श्री जे.एल. कास्दे के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्री पटेल ने प्राकृतिक खेती के महत्व और कृषि सखियों के लिए इसके योगदान की महत्ता को बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में उप संचालक श्री जे.एल. कास्दे ने प्राकृतिक खेती के महत्व को समझते हुए कृषि सखियों का उत्सववर्धन किया एवं प्राकृतिक खेती पर प्रकाश डाला। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. आर.सी. जाटव ने कार्यक्रम की रूपरेखा का परिदृश्य बताया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. ओमप्रकाश भारती ने कृषि सखियों को प्राकृतिक खेती मे रोग तथा कीट प्रबंधन के तथ्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम में डॉ. मुकेश कुमार बांकोलिया द्वारा पधारे अतिथियों का आभार ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में सहायक संचालक कृषि अखिलेश पटेल तथा कृषि विज्ञान केंद्र से डॉ. आर.सी. जाटव, डॉ. ओमप्रकाश भारती और डॉ. मुकेश कुमार बांकोलिया तथा कृषि विभाग एवं आत्मा के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम खण्ड-अ में जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम द्वारा मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भोपाल एवं जेल मुख्यालय म.प्र. भोपाल के आदेश के अनुपालन में प्रतिमाह के तृतीय सप्ताह में एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाना है जिसमे अनुकम में आज शुक्रवार को केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम के खण्ड-अ में निरूद्ध बदियो हेतू जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम गन कक्ष द्वारा एक दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम मन कक्ष से सुश्री नाजिया सिद्धिकी श्रीमति निधि पटवा नर्सिग ऑफिसर द्वारा परिरूद्ध 30 पुरूष बंदी एवं 16 महिला बंदी कुल 46 बंदियों की स्क्रीनिंग की गई एवं परामर्श दिया गया। आयोजित शिविर के दौरान श्री संतोष सिंह सोलंकी जेल अधीक्षक, श्री प्रहलाद सिंह बरकडे उप अधीक्षक श्री हितेश बंडिया अष्ठकोण अधिकारी, डॉ. विपिद अहिरवार जेल चिकित्सक, श्रीमति इंदुराज साह एवं जेल स्टाफ उपस्थित रहे। शिविर कार्यक्रम संचालन के लिये सुश्री नाजिया सिद्धिकी जिला चिकित्सालय मन कक्ष नर्मदापुरम को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मुख्यमंत्री ने बंगाली मार्केट और ऋषि नगर में माता काली और माता शक्ति का पूजन किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को उज्जैन प्रवास के दौरान शहर में बंगाली मार्केट और ऋषि नगर में आयोजित नवदुर्गा उत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बंगाली कॉलोनी में माँ काली मंदिर में पूजा कर धूप अर्पित की। उन्होंने कहा कि यहां के आयोजन की परम्परा बहुत पुरानी और समृद्धशाली है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऋषि नगर में माँ शक्ति की पूजा कर आशीर्वाद लिया और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगातार विकास के कार्य हो रहे हैं। उज्जैन में सिंहस्थ-2028 के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। माता के आशीर्वाद से सिंहस्थ का आयोजन बहुत दिव्य होगा। उन्होंने सभी माता-बहनों और श्रद्धालुओं को नवरात्रि पर्व की मंगल कामनाएँ दी।

जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के श्री पटेल ने आदि कर्मयोगी अभियान की प्रगति का किया अवलोकन

बैतूल (निप्र)। जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में नागरिकों, प्रशासनिक तथा सामुदायिक संस्थाओं को सशक्त बनाने, विकास कार्यों की योजना बनाने तथा योजनाओं के संतृप्तिकरण के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित आदि कर्मयोगी अभियान के अन्तर्गत बैतूल जिले के चयनित 554 ग्रामों में चरण बद्ध तरीके से ग्राम सभाओं का आयोजन 10 विकासखंडो में किया जा रहा है। तीन बैठकों में ग्राम सभा के माध्यम से ग्राम कैडर एवं समुदाय के लोगों के साथ तैयार किया गया। ग्राम के विजन प्लान का अनुमोद 2 अक्टूबर 2025 को आयोजित ग्राम सभा में किया जाएगा।

इस अभियान के अंतर्गत जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार श्री विजय पटेल सहित अन्य प्रतिनिधियों ने अभियान की प्रगति का अवलोकन किया। जिन्होंने बैतूल जिले के शाहपुर जनपद पंचायत के चार ग्रामों पाठई, कांटावाडी, देशावाड़ी, कोटमी का भ्रमण किया। भ्रमण के समय जिला पंचायत सीईओ श्री अक्षत जैन, सहायक आयुक्त श्री विवेक पांडेय एवं सहायक परियोजना प्रशासक श्री रीतेश चौहान तथा जिलास्तरीय एवं ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे। सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग ने बताया कि भ्रमण के दौरान सबसे पहले दल पाठई ग्राम में पहुंचा जहां पर ग्राम के सरपंच श्री कमल उइके एवं पंचायत सचिव श्री सुनील बारगे, श्री प्रेम लाल अंखडे, जेआरएस श्री धर्माजी के साथ ग्राम कैडर के आदि साथी, सहयोगी एवं गांव के लोग आदि सेवा केन्द्र में उपस्थित थे। चर्चा के दौरान आदि साथियों ने बताया कि हमारे गांव की तीन ग्राम सभा हो गई है एवं ग्राम विजन प्लान बना लिया गया, जिसका अवलोकन किया गया तथा आदि सेवा केन्द्र की दिवारों पर पूर्व बैठकों में तैयार किये गये सामाजिक एवं संसाधन मानचित्र तथा ग्राम एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों के नाम मोबाइल नम्बर, हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी, शिकायत निवारण पंजी रखी गई है। विजन प्लान बनाकर तैयार किया गया है आदि सेवा केन्द्रो पर प्रति मंगलवार 11 बजे से 1 बजे तक जन सुनवाई भी ग्राम स्तर पर की जाएगी। ग्राम पाठई में भ्रमण के बाद दल कांटावाडी गया जहां पर ग्राम वासियों की अभियान अंन्तर्गत पहली ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई। जिसमें ग्राम के सरपंच श्रीमती ज्योति नवड़े, सचिव श्री मंशाराम काकोडिया एवं गांव को लोगों के साथ ग्राम कैडर के लोग उपस्थित थे। मानचित्रों के आधार पर गांव की सामाजिक स्थिति एवं संसाधन स्थिति को चित्रित किया जा रहा था। जिससे आगामी बैठकों में ग्राम के लोग सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहे थे।

प्रभारी मंत्री पंवार, विधायक डॉ चौधरी सहित जनप्रतिनिधियों ने सहजपुर में एक बगिया माँ के नाम परियोजना के तहत रौपे फलदार पौधे

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के गैरतगंज जनपद पंचायत के ग्राम सहजपुर में जिले के प्रभारी मंत्री तथा मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पंवार, विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत सिंह मीणा और पूर्व केबीनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह द्वारा ''एक बगिया माँ के नाम'' परियोजना के तहत हितग्राही श्रीमती संध्या यादव के साथ फलदार पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। एक बगिया माँ के नाम परियोजना के माध्यम से स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी कृषि भूमि पर फलोद्यान बगिया बनाने हेतु सरकार महिलाओं को फलदार पौधे, उनकी सुरक्षा हेतु तार-फेसिंग सहित जल की उपलब्धता हेतु राशि प्रदान कर रही है।

रोपित किए गए पौधे कुछ वर्षो में फल देने लगेंगे जिससे महिलाओं को हर वर्ष आय प्राप्त होगी। प्रभारी मंत्री श्री पंवार ने हितग्राही महिला तथा स्व-सहायता समूह की अन्य सदस्यों से भी संवाद कर पौधों की सुरक्षा और देखभाल करने के लिए कहा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पांडे, सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल, श्री राकेश शर्मा तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। जिले में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह पंवार, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा, पूर्व केबिनेट मंत्री श्री रामपाल सिंह तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा गैरतगंज में टेकापार स्थित हनुमान मंदिर एवं परिसर में श्रमदान कर साफ-सफाई की। साथ ही नागरिकों से भी अपने घर के आसपास और वार्ड में स्वच्छता बनाए रखने के लिए कहा।

49 ग्राम पंचायतों में एक साथ हुआ श्रमदान कार्यक्रम

नर्मदापुरम (निप्र)। जनपद पंचायत नर्मदापुरम के सीईओ श्री रंजीत ताराम के नेतृत्व में जनपद क्षेत्र की 49 ग्राम पंचायतों में एक साथ सुबह 8 बजे से 9 बजे तक श्रमदान कार्यक्रम संपन्न हुआ। जनपद स्तरीय मुख्य कार्यक्रम ग्राम पंचायत रोहना में आयोजित किया गया, जिसमें जनपद सीईओ श्री ताराम के साथ ब्लॉक समन्वयक श्री रामकुमार गौर भी उपस्थित रहे। श्रमदान के दौरान सामुदायिक भवन परिसर एवं शाला परिसर के सामने की साफ-सफाई की गई। सफाई कार्य के उपरांत सभी उपस्थित लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर ग्राम में कार्यरत सफाई मित्र श्री चिमन, श्री दिनेश, श्रीमती प्रीति एवं श्रीमती अनीता कलोसिया को सीईओ श्री ताराम द्वारा सम्मानित किया गया। सीईओ श्री ताराम ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वच्छता के स्थायित्व के लिए ग्राम पंचायतों को निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। साथ ही यह भी प्रयास होना चाहिए कि स्वच्छता लोगों की आदत में शामिल हो।

ग्राम आरोग्य केंद्रों पर आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए: डॉ. राकेश बोहरे

वरिष्ठ संयुक्त संचालक डॉ. बोहरे ने की आशा कार्यक्रम की समीक्षा

बैतूल (निप्र)। वरिष्ठ संयुक्त संचालक आशा कार्यक्रम भोपाल डॉ. राकेश बोहरे ने शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में आशा कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में डॉ. बोहरे ने निर्देश दिए कि ग्राम आरोग्य केंद्रों पर 22 प्रकार की आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा इनकी नियमित मॉनिटरिंग भी की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी निर्धारित कार्यक्रम अनुसार क्षेत्रीय दौरा करें और उसकी जानकारी ओडीके एपी में अनिवार्य रूप से दर्ज करें। आशा कार्यकर्ताओं एवं आशा पर्यवेक्षकों के भुगतान की कार्यवाही प्रत्येक माह की 25 तारीख तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही यह भी बताया गया कि प्रत्येक गुरुवार शाम 4 बजे से यूट्यूब के माध्यम से आशा संवाद का प्रसारण किया जाता है, जिसकी जानकारी जिले के सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को होनी चाहिए। डॉ. बोहरे ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनोज हुरमाडे के साथ किया। उन्होंने ओपीडी कक्ष, दवा वितरण कक्ष, आकस्मिक चिकित्सा कक्ष, दंत रोग कक्ष, इमरजेंसी, एक्सीडेंटल कक्ष, पुरूष मेडिकल वार्ड, पीआईसीयू का निरीक्षण किया। निरीक्षण कर आवश्यक सुधार करने के सिविल सर्जन को आवश्यक निर्देश दिये।

टीबी स्क्रीनिंग कार्य शत प्रतिशत किया जाए : मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.हुरमाडे ने निर्देश दिये कि आने वाले स्वास्थ्य शिविरों में टीबी स्क्रीनिंग कार्य शत प्रतिशत किया जाए एवं निक्षय मित्र बनाकर फुड बास्केट का वितरण कार्य शत प्रतिशत करें।

उन्होंने निर्देश दिये कि एचबीवाईसी, एचबीपीएनसी का कार्य आशा, एएनएम, सीएचओ के द्वारा नियमानुसार किया जाए। साथ ही किट की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिये। सीडीआर, एमडीआर का रिव्यू ब्लॉकवार सभी केसो का किया जाए। हर महिला को प्रसव के लिए अच्छी से अच्छी सुविधा मिले। किसी भी मां की मृत्यु बच्चे के जन्म देने के कारण न हो यह हमारा लक्ष्य होना चाहिये। उन्होंने डीसीएम को एचबीएनसी किट की मॉनिटरिंग करने एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री विद्यालयों के खातों में अंतरित करेंगे 489 करोड़ रुपये

हरदा जिले के खिरकिया में 29 सितम्बर को होगा कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 29 सितम्बर को हरदा जिले के खिरकिया में शिक्षा का अधिकार अधिनियम अंतर्गत 20 हजार 652 अशासकीय विद्यालयों को 489 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे।

प्रदेश में निःशुल्क अध्ययनरत बच्चों की वर्ष 2023-24 की 8 लाख 45 हजार बच्चों की फीस की प्रतिपूर्ति होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव साथ ही विकास कार्यों का भूमि-पूजन, लोकार्पण और इस राशि से जन-कल्याणकारी योजनाओं में हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी करेंगे।

बेटियों के बिना घर की मर्यादा नहीं : सीएम

उज्जैन में कन्या पूजन में हुए शामिल; 369 करोड़ के विकास कार्यों किया भूमिपूजन

उज्जैन (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नवरात्रि पर्व के अवसर पर विक्रमादित्य क्लॉथ मार्केट में कन्या पूजन किया। उज्जैन में पहली बार 121 स्थानों पर एक साथ यह आयोजन किया जा रहा है, जिसमें लगभग 25 हजार कन्याओं का पूजन किया गया।

इस मौके पर सीएम ने कहा, नवरात्रि का पर्व हमें शक्ति संचय के लिए भी प्रेरित करता है। हमारे घर में जब तक सुख नहीं आता है, जब तक बेटी नहीं होती है। बेटियों के बिना कभी घर की मर्यादा पूरी नहीं होती है। बहन, बेटियों से हमारा घर हमारा खानदान सब कुछ आबाद होता है। यह युगों-युगों से चली परंपरा है। सीएम ने उज्जैन में 369.11 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया। इनमें पुलिस कंट्रोल रूम के पास नवीन कलेक्टर कार्यालय भवन का निर्माण भी शामिल है।

बिल्डिंग के अभाव में घर से चलता था कार्यालय

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि उज्जैन में संभाग और जिले के कार्यालय अलग-अलग बनेगें। इसके

अलावा एक धर्मस्व विभाग का सिंहस्थ का कार्यालय बनेगा। ये तीनों कार्यालय रहेंगे।

संभागीय अधिकारियों की एक बिल्डिंग और कलेक्ट्रेट की एक बिल्डिंग होना चाहिए। इसके अभाव में आईजी साहब को घर से कार्यालय चलाना पड़ता था। डीआईजी साहब यातायात थाने के पास से कार्यालय चलाते थे। एसपी साहब कंट्रोल रूम में बैठते थे। जो जगह-जगह व्यवस्था चलती थी इसे इंटीग्रेटेड रूप से अलग-अलग किया गया है।

कार हादसे के शिकार पुलिसकर्मियों के परिवारों से मिले सीएम

सीएम यादव उज्जैन कार हादसे के शिकार हुए उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा के घर पहुंचे। शोक व्यक्त करते हुए परिजनों को एक करोड़ का चेक सौंपा। सीएम ने एसआई मदनलाल निनामा और आरक्षक आरती पाल के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें भी चेक सौंपे।

कई रहस्यों के साथ उज्जैन से वास्ता

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- उज्जैन के अतीत को लेकर हम सभी दो हजार साल पुराने अतीत का स्मरण करे तो माता हरसिद्धि का एक रूप यह भी है कि रात्रिकालीन उज्जैन में रहना और दिन के समय गुजरात में रहना। अद्भुत तो तब होता है जैसे ही सांयकाल की आरती होती है तब एहसास होता है कि झूला अपने आप झूलने लगता है।

लगता है कि माता यहां से निकल गई। सुबह आरती होती है तो माता अपने आप आ जाती है। वहां झूला प्रारंभ हो जाता है। ऐसे कई रहस्यों के साथ उज्जैन में कदम-कदम पर ऐसा वास्ता आता है।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेडा, सतीश मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल, सभापति कलावती यादव और जिला पंचायत अध्यक्ष कमला कुंवर समेत अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

आईआईटी इंदौर में 624.57 करोड़ रुपये की विस्तार परियोजना का हुआ शिलान्यास

जटिल प्रयोगों और डेटा विश्लेषण की एडवांस रिसर्च में इंदौर बनेगा सिरमौर

भोपाल (नप्र)। देश में प्रौद्योगिकी शिक्षा अब नये दौर में प्रवेश कर चुकी है। देश के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भी अब नए क्षितिज की ओर अग्रसर हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ओडीसा से देश के 8 आईआईटी केन्द्रों में विस्तार परियोजना का वर्चुअली शिलान्यास किया। इनमें आईआईटी इन्दौर भी शामिल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आईआईटी इन्दौर में कुल 624.57 करोड़ रुपये की क्षमता विस्तार एवं आधारभूत संरचना विकास परियोजना की आधारशिला रखी।

प्रौद्योगिकी शिक्षा के क्षेत्र में होगा नये युग का सूत्रपात - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आईआईटी इन्दौर को दी गई इस बड़ी सौगात के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार का यह कदम अब प्रौद्योगिकीय शिक्षा में एक नये युग का सूत्रपात करेगा। इससे हमारे युवाओं को अध्ययन, शोध एवं नवाचार करने के व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने बताया कि आईआईटी इन्दौर में इस विस्तार परियोजना के लिए उच्चतर शिक्षा के प्रोत्साहन एवं फंडिंग हेतु अधिकृत वित्तपोषण एजेंसी द्वारा तीसरे चरण के अंतर्गत मंजूरी दी गई है। विस्तार परियोजना में मंजूर की गई राशि में अत्याधुनिक शैक्षणिक भवनों, आवासीय परिसरों, औद्योगिकीय अनुसंधान पार्क, डिजाइन विभाग, विद्यार्थी गतिविधि केंद्र, व्याख्यान कक्ष परिसर और आगंतुक छात्रावास के निर्माण के साथ अत्याधुनिक एवं उन्नत उपकरणों की खरीद एवं स्थापना भी शामिल है। इस विस्तार परियोजना में 374.38 करोड़ रुपये से अत्याधुनिक शैक्षणिक भवनों, 123.15 करोड़ रुपये से आवासीय सुविधाओं और सामान्य एवं उपयोगिता सेवाओं के निर्माण के साथ 27.04 करोड़ रुपये से उन्नत उपकरणों की खरीदी भी शामिल है।

आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा कि आधारभूत संरचना में विकास से न केवल हमारा शैक्षणिक और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र मजबूत होगा, बल्कि छात्रों और शिक्षकों के नवाचार, सहयोग और समग्र विकास के लिए एक विश्वस्तरीय परिवेश भी तैयार होगा।

इंदौर आईआईटी का होगा बहुआयामी तकनीकी विस्तार

आईआईटी इंदौर की लैब को और अधिक बहुआयामी बनाने के लिए केंद्र सरकार ने 100 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शनिवार को ही देश के 7 आईआईटी संस्थानों को यह राशि स्वीकृत की है। इंदौर के आईआईटी में एडवांस रिसर्च इक्विपमेंट बढ़ाने के लिए 100 करोड़ की लागत से लैब का विस्तार होगा। आईआईटी इंदौर के पदाधिकारी ने बताया कि विभिन्न वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में उपयोग होने वाले उच्च-स्तरीय उपकरण शामिल होते हैं, जो जटिल प्रयोगों, डेटा विश्लेषण और अनुसंधान के लिए डिज़ाइन किए जाते हैं। इन उपकरणों का उपयोग भौतिकी, रसायन विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, और अन्य क्षेत्रों में होता है।

18 आईएएस, 8 एसएएस के तबादले

20 सीईओ पंचायत और अपर कलेक्टर पदों पर पोस्टिंग, कई जिलों में दोहरा प्रभार सौंपा

भोपाल (नप्र)। राज्य सरकार ने आधी रात को भारतीय प्रशासनिक सेवा के 18 और राज्य प्रशासनिक सेवा के 8 अफसरों के तबादले किए हैं। इन अधिकारियों को जिला पंचायत सीईओ, अपर कलेक्टर, अपर संचालक और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पदस्थ किया गया हैं।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के 14 और राज्य प्रशासनिक सेवा के 8 अफसर जिला पंचायत सीईओ बनाए गए हैं। कई जिलों में सीईओ जिला पंचायत के साथ आईएएस अफसरों को अपर कलेक्टर पद की भी दोहरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के जिन 18 अधिकारियों को सीईओ जिला पंचायत, अपर कलेक्टर, अपर संचालक और अनुविभागीय अधिकारी बनाया गया है, उनमें संजना जैन सीईओ जिला पंचायत सतना से अपर कलेक्टर मैहर, जगदीश कुमार गोमे उप सचिव संस्कृति विभाग को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिंगरौली, हरसिमरन प्रीत कौर अपर मिशन संचालक राज्य शिक्षा केंद्र को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कटनी, अंजली जोसेफ जोनाथन उप सचिव तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास व रोजगार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत हरदा पदस्थ किया गया है।

8 अफसर बने सीईओ जिला पंचायत

जिन जिला पंचायतों में राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों की पदस्थापना की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा शनिवार को रात 12.30 जारी आदेश में शैलेंद्र सिंह सोलंकी अपर संचालक नर्मदा घाटी विकास को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी और डॉ इच्छित गढ़पाले उप सचिव गृह विभाग को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजगढ़ पदस्थ किया गया है। इसके साथ ही विजय राज अपर आयुक्त नगर निगम ग्वालियर को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवपुरी, शैलेंद्र सिंह अपर कलेक्टर मैहर को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सतना, अनुपमा चौहान उप सचिव सामान्य प्रशासन विभाग पूल को मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाजापुर, नमः शिवाय अरजरिया राज्य शिष्टाचार अधिकारी भोपाल को मुख्य कार्यपालन अधिकारी छतरपुर, शाश्वत सिंह मीना उप सचिव औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन विभाग को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मंडला और अंजली शाह अपर कलेक्टर नरसिंहपुर को मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिवनी पदस्थ किया गया है।

सोजान को ग्वालियर भेजा

इसी तरह सोजान सिंह रावत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ग्वालियर, सृष्टि देशमुख गौड़ा को अपर कलेक्टर खंडवा, निधि सिंह संयुक्त आयुक्त भू अभिलेख को अपर श्रम आयुक्त, हिमांशु जैन सीईओ जिला पंचायत शिवपुरी को सीईओ जिला पंचायत नर्मदापुरम, सर्जना यादव अपर कलेक्टर जबलपुर को सीईओ जिला पंचायत सीहोर, वैशाली जैन एसडीएम हुजूर रीवा को सीईओ जिला पंचायत तथा अपर कलेक्टर रतलाम, दिव्यांशु चौधरी एसडीएम डबरा को सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर डिंडोरी, सृजन वर्मा एसडीएम सिंगरौली को सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर बुरहानपुर बनाया गया है।

इन्हें यहां किया गया पदस्थ

इसी आदेश में अर्चना कुमारी एसडीएम शुजालपुर जिला शाजापुर को सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर अनूपपुर, शिवम प्रजापति एसडीएम पुनासा खंडवा को सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर शहडोल, सौम्या आनंद सहायक कलेक्टर शहडोल को सीईओ जिला पंचायत और अपर कलेक्टर श्योपुर, आकिप खान सहायक कलेक्टर मंडला को एसडीएम पिपरिया जिला नर्मदापुरम, पंकज वर्मा सहायक कलेक्टर सिवनी को एसडीएम पुनासा जिला खंडवा तथा सपना अनुराग जैन अपर कलेक्टर बुरहानपुर को अपर संचालक नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण इंदौर पदस्थ किया गया है।

सौरभ शर्मा की जमानत याचिका रद्द

26 पन्नों के सुरक्षित रखे फैसले पर सुनवाई, कोर्ट ने कहा- आरोप संगीन

जबलपुर (नप्र)। मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा की जमानत याचिका पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में शनिवार को सुनवाई हुई। जस्टिस प्रमोद अग्रवाल की कोर्ट ने जमानत पर सुरक्षित रखा 26 पन्नों का फैसला सुनाते हुए कहा कि परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा पर लगे आरोप संगीन है, इसलिए जमानत का लाभ देना उचित नहीं है।

बता दें कि सौरभ शर्मा बीते 4 फरवरी से न्यायिक अभिरक्षा में है। इससे पहले 30 जुलाई को मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा था।

सौरभ शर्मा के वकील ने सुनवाई के दौरान कोर्ट में दलील दी थी कि सौरभ शर्मा से अभी तक जितना भी पैसा मिला है, वह पूरा उसका नहीं है। शर्मा के नाम जो संपत्तियां नहीं हैं, उनसे उसका कोई लेना-देना नहीं है। वहीं ईडी की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि शर्मा ने ही संपत्तियां अर्जित करने के बाद अपने दोस्त और रिश्तेदारों के नाम की हैं। इससे पहले प्रिवेंशन आफ मनी लान्ड्रिंग एक्ट(पीएमएल) के तहत ईडी के द्वारा दर्ज मामले पर भोपाल कोर्ट ने 24 अप्रैल 2025 को सौरभ शर्मा की जमानत अर्जी निरस्त कर दी थी। 17 दिसंबर 2024 को सौरभ शर्मा के ठिकानों पर छापेमारी शुरू की गई थी। ईडी के अधिवक्ता विक्रम सिंह ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में 108 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की गई है, जिसे सौरभ शर्मा ने अपने दोस्त और रिश्तेदारों के नाम पर खरीदा था।

लॉकर्स से मिले 2 करोड़ के सोने के जेवरात- आरोपी सौरभ शर्मा द्वारा अवैध रूप से अर्जित धन से उक्त संपत्तियां खरीदी गई थीं। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में जब सौरभ शर्मा के लॉकर्स को खंगाला गया तो उसमें भी दो करोड़ रुपए के सोने के जेवरात मिले हैं।

कटनी से मैहर आ रही सुबेदारगंज ट्रेन पर पत्थर फेंका

खिड़की का कांच टूटा, एक बच्चे के सिर पर चोट लगी

मैहर (नप्र)। कटनी से मैहर आ रही एक सुबेदारगंज स्पेशल ट्रेन पर पत्थर से हमला किया गया। इस घटना में ट्रेन की खिड़की का कांच टूट गया और वहां बैठे एक बच्चे के सिर पर चोट लग गई। घायल बच्चे को इलाज के लिए मैहर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कटनी से मैहर जा रही सुबेदारगंज ट्रेन में मैहर निवासी एक परिवार यात्रा कर रहा था। परिवार के साथ रिहान नामक बच्चा खिड़की के पास बैठा था। परिजन के अनुसार, ट्रेन के कटनी प्लेटफॉर्म छोड़ने के कुछ ही देर बाद एक पत्थर खिड़की के शीशे से टकराया। पत्थर ने शीशा तोड़ दिया और सीधे रिहान की बाईं आंख के ऊपर जा लगा, जिससे वह घायल हो गया।

4 जिलों में तेज बारिश...तवा डैम के 5 गेट खुले

भोपाल-जबलपुर में बूंदा-बांदी, बड़वानी के सेंधवा में खेतों में पानी भरा, कच्चा मकान ढहा

भोपाल (नप्र)। इंदौर संभाग के 4 जिलों आलीराजपुर, धार, बड़वानी और खरगोन में रविवार को भारी बारिश का अलर्ट है। भोपाल-जबलपुर में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई है। तवा डैम के 5 गेट खोले गए हैं।

रविवार सुबह धार के मनावर और बड़वानी के सेंधवा में पानी गिरा। सेंधवा में तेज बारिश से खेतों में पानी भर गया, जिससे मक्के की फसल को नुकसान पहुंचा है। यहां एक कच्चा मकान भी गिर गया।

इधर, शनिवार को उज्जैन जिले से भी मानसून विदा हो गया। इसे मिलाकर प्रदेश के 12 जिलों से मानसून विदा हो चुका है। इनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, आगर-मालवा, नीमच, मंदसौर और रतलाम भी शामिल हैं। राजगढ़ और अशोकनगर के कुछ हिस्से से मानसून विदा हुआ है।

भोपाल में 37 किमी प्रतिघंटा से चली आंधी

भोपाल में रात में 37 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी चली। सबसे ज्यादा रफ्तार जबलपुर में 56 किमी प्रतिघंटा रही। इसी तरह बड़वानी में 52 किमी, सीहोर में 50 किमी, इंदौर में 46 किमी, आगर-मालवा में 44 किमी, शाजापुर में 41 किमी, शिवपुरी, सागर-नरसिंहपुर में 39 किमी, गुना में 33 किमी और बैतूल में 31 किमी प्रतिघंटा दर्ज की गई।

भोपाल-जबलपुर समेत 50 जिलों में बारिश

पिछले 24 घंटे के दौरान भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन समेत 50 से अधिक जिलों में बारिश हुई। मुरैना, दतिया, निवाड़ी और नीमच में ही बारिश का दौर नहीं रहा। दूसरी ओर हरदा, नर्मदापुरम और खरगोन में भारी बारिश रिकॉर्ड की गई।

मौसम विभाग के अनुसार, सिवनी में सबसे ज्यादा 2 इंच बारिश हो गई। बैतूल में 1.9 इंच, नर्मदापुरम-खंडवा में 1.7 इंच, खरगोन-सागर में 1-1 इंच पानी गिरा। भोपाल में शनिवार देर रात तक तेज बारिश का दौर जारी रहा। पौन इंच से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा राजगढ़, बड़वानी, उमरिया, नरसिंहपुर, दमोह, रायसेन, बालाघाट, रतलाम, छतरपुर, छिंदवाड़ा, गुना, मंडला, श्योपुर, टीकमगढ़, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, इंदौर, रीवा, सतना समेत कई जिले भीग गए। प्रदेश के बाकी हिस्से में भी बूंदाबांदी का दौर रहा, लेकिन इतनी बारिश नहीं हुई कि रिकॉर्ड में आए।

कही-सुनी

क्या 1994 बैच के आईपीएस पूर्णकालिक डीजीपी बनेंगे?

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

छत्तीसगढ़ के पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति का मसला महीनों से लंबित है। यूपीएससी से पैनल आने के चार महीने बाद भी पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति नहीं हो सकी है। 1992 बैच के आईपीएस अरुणदेव गौतम चार फ़रवरी 2025 से एक्टिंग डीजीपी बने हुए हैं। यूपीएससी ने पैनल में पूर्णकालिक डीजीपी के लिए अरुणदेव गौतम और 1992 बैच के हिमांशु गुप्ता का नाम भेजा। 1992 बैच के पवनदेव और 1994 के जीपी सिंह का नाम पैनल में नहीं रखा। यही विवाद का विषय बन गया, फिर वरिष्ठता क्रम में हिमांशु गुप्ता इनसे कनिष्ठ हैं। छत्तीसगढ़ कैडर में 1994 बैच के आईपीएस शिवराम प्रसाद कल्लूरी भी हैं, पर अभी वे डीजी प्रमोट नहीं हुए हैं। जीपी सिंह और हिमांशु गुप्ता डीजी बन गए हैं। बताते हैं राज्य के एक मंत्री 1994 बैच के आईपीएस को डीजीपी बनाने के लिए अड़े हुए हैं। इसके कारण मामला आगे नहीं बढ़ पा रहा है। अब 1994 बैच के आईएएस विकासशील राज्य के नए मुख्य सचिव बन गए हैं, ऐसे में चर्चा होने लगी है कि 1994 बैच के आईपीएस डीजीपी बनेंगे। खबर है कि 1994 बैच के आईपीएस को डीजीपी बनाने की पैरवी करने वाले मंत्री जी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गुड बुक में हैं और एक्टिव भी हैं। सरकार ने 1994 बैच के विकासशील को 1991,1992 और 1993 बैच के साथ 1994 बैच के दो अफसरों की वरिष्ठता को नजरअंदाज कर मुख्य सचिव बना दिया। हवा है कि ऐसा डीजीपी के मामले में हो सकता है। अब डीजीपी के लिए क्या फार्मूला अपनाया जाता है,इसका सबको इंतजार है।

महिला मित्र को लेकर चर्चा में मंत्री जी

कहते हैं कि छत्तीसगढ़ के एक मंत्री जी अपनी महिला मित्र को लेकर सुर्ख़ियों में हैं और भाजपा के नेता और कार्यकर्ता दोस्ती को लेकर चटखारे ले रहे हैं। खबर है कि मंत्री जी ने अपनी महिला मित्र को हाल ही में राजधानी के जीई रोड़ स्थित एक पॉश कालोनी में तकरीबन तीन करोड़ रुपए मूल्य का शानदार बंगला खरीद कर दिया है। पहली बार मंत्री बने ओबीसी नेता पहले अपनी महिला मित्र को जिला पंचायत अध्यक्ष बनवाना चाहते थे। जिला पंचायत सदस्य बनाने के लिए मंत्री जी ने धन लुटाया, पर गच्चा खा गए। उनकी महिला मित्र जिला पंचायत सदस्य नहीं बन सकीं। राजनीतिक पद दिला नहीं पाए, तो फिलहाल बंगला दिला कर उसकी भरपाई कर दी है।

भाजपा पदाधिकारी की आला अफसर से तकरार

चर्चा है कि भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी की पिछले दिनों राज्य के एक आला अफसर से फोन पर जमकर तकरार हो गई। खबर है कि भाजपा पदाधिकारी पार्टी के एक दिवंगत नेता की रिश्तेदार के तबादले को लेकर अफसर को फोन लगाया और उन्हें सुझाव देने लगे। भाजपा पदाधिकारी ने अफसर को दिवंगत भाजपा नेता के पार्टी में योगदान का भी जिक्र किया। बताते हैं अफसर महोदय को भाजपा पदाधिकारी की बात अच्छी नहीं लगी और जवाब दे दिया। इससे भाजपा पदाधिकारीने अफसर पर शब्दबाण छोड़े। बताते हैं इस घटना के बाद भाजपा पदाधिकारी और सरकार के शीर्ष लोगों के बीच बैठक भी हुई। कहते हैं मामला फिलहाल सुलझ गया है।

सलाह देना भारी पड़ा अफसर को

कहते हैं नौ सितंबर को हुई विष्णुदेव साय कैबिनेट की बैठक में एक मंत्री जी सचिव स्तर के एक अधिकारी पर भड़क गए। बताते हैं मुद्दा मंत्री जी के विधानसभा क्षेत्र से जुड़ा था। चर्चा है कि विषय सलाह देने वाले सचिव के विभाग से संबंधित नहीं था। खबर है कि शीर्ष राजनीतिक स्तर पर चर्चा के बाद विषय को कैबिनेट में लाया गया था और उसमें ज्यादा डिस्कसन भी नहीं होना था, पर अधिकारी की सलाह मंत्री जी को नहीं भाया। मंत्री जी का तेवर देखकर दूसरे मंत्रियों ने मामला संभाला। संबंधित विषय को मंजूरी देते आगे बढ़ गए।

निधि छिब्बर छत्तीसगढ़ आएंगी या नहीं ?

सरकार ने 1994 बैच के आईएएस विकासशील को छत्तीसगढ़ का मुख्य सचिव बनाने का आदेश सरकार ने जारी कर दिया है। अब उनकी पत्नी 1994 बैच की आईएएस निधि छिब्बर छत्तीसगढ़ आएंगी या नहीं, चर्चा का विषय है। निधि छिब्बर वरिष्ठताक्रम में विकासशील से ऊपर हैं, ऐसे में विकासशील के मातहत निधि छिब्बर काम करेंगी या नहीं, यह बड़ा सवाल है ? निधि छिब्बर वर्तमान में नीति आयोग में सलाहकार हैं और केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। बताते हैं निधि छिब्बर भारत सरकार में सचिव इम्पैनल हो गई हैं। कहते हैं निधि छिब्बर की केंद्रीय प्रतिनियुक्ति समाप्त कर छत्तीसगढ़ वापसी का अभी तक कोई आदेश नहीं हुआ है। प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि विकासशील छत्तीसगढ़ संभालेंगे और निधि छिब्बर दिल्ली में ही रहेंगी।

मंत्री जी के सख्त तेवर

कहते हैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के एक मंत्री इन दिनों सख्त तेवर अपनाए हुए हैं। पहली बार मंत्री पद का स्वाद चखने वाले नेताजी संघ से नाता रखने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को भी नहीं बख्श रहे हैं। साय सरकार में खासे दखल रखने वाले एक नेताजी के स्टाफ के भाई को भी मंत्री जी ने नहीं बख्शा। चर्चा है कि मंत्री जी भरी मीटिंग में अधिकारियों और कर्मचारियों को ताकीद कर दिया है कि उन्हें किसी का हस्तक्षेप पसंद नहीं है। साथ में हिदायत दे दी है कि उनके पास किसी नेता का फोन नहीं आना चाहिए। सरकारी अधिकारी-कर्मचारी ट्रांसफर-पोस्टिंग और बहाली के लिए मंत्री को नेताओं से फोन तो करवाते ही है। भारी-भरकम कर्मचारी वाले विभाग में मंत्री जी की हिदायत से सबको सांप सूंघ गया है। अब जनप्रतिनिधियों के रुख का इंतजार है।

मनोज पिंगुआ जाएंगे दिल्ली ?

छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव की दौड़ में शामिल 1994 बैच के आईएएस और राज्य के अपर मुख्य सचिव गृह तथा जेल मनोज पिंगुआ के जल्द केंद्र सरकार में जाने की खबर है। बताया जा रहा है कि श्री पिंगुआ ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को भारत सरकार में जाने की इच्छा से अवगत करा दिया है। कहा जा रहा है कि मनोज पिंगुआ केंद्र सरकार में सचिव के तौर पर इम्पैनल हो चुके हैं और वे चार महीने पहले ही केंद्र सरकार में जाने की सहमति दे चुके हैं। वैसे मनोज पिंगुआ का नाम वरिष्ठता क्रम में नए मुख्य सचिव विकासशील के नीचे है। कुछ राज्यों में मुख्य सचिव के बैच वाले अफसर मंत्रालय में पदस्थ हैं और काम कर रहे हैं। विकासशील के मुख्य सचिव बनने के बाद 1994 बैच की आईएएस ऋचा शर्मा के दिल्ली जाने की चर्चा चल पड़ी है। अब देखते हैं क्या होता है। वैसे वरिष्ठता क्रम में ऋचा शर्मा का नाम नए मुख्य सचिव विकासशील से ऊपर है। ऋचा शर्मा विष्णुदेव साय की सरकार बनने के बाद छत्तीसगढ़ लौटीं हैं। इसके पहले तक भारत सरकार में ही पदस्थ थीं।

अक्टूबर के पहले हफ्ते में प्रशासनिक सर्जरी

माना जा रहा है कि अक्टूबर के पहले हफ्ते में मंत्रालय से लेकर जिलों में प्रशासनिक सर्जरी हो सकती है। चर्चा है कि मंत्रालय में फेरबदल में कई बड़े विभाग प्रभावित हो सकते हैं। इसमें लोगों से सीधे जुड़े विभाग से लेकर वर्क्स डिपार्टमेंट के प्रभारी बदलने की सुगबुगाहट है। कई जिलों के कलेक्टर बदले जाने की भी खबर है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ननकीराम कंवर ने कोरबा के कलेक्टर अजीत वसंत को हटाने के लिए सरकार को अल्टीमेटम दे दिया है। खबर है कि अजीत वसंत को कोरबा से नहीं हटाया गया, तो ननकीराम कंवर चार अक्टूबर को रायपुर में धरना पर बैठ जाएंगे। अब देखते हैं क्या होता है।

बैज की किरकिरी कर दी पार्षदों ने

कहते हैं निर्दलीय चुनाव लड़कर कांग्रेस में आए पार्षद आकाश शर्मा को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने ही रायपुर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष बनाया था, ऐसे में कांग्रेस के पांच पार्षदों ने संदीप साहू के पक्ष में समर्थन जताकर दीपक बैज की किरकिरी कर दी। बताते हैं जिला कमेटी की राय पर संदीप साहू पहले ही रायपुर नगर निगम में कांग्रेस पार्षदों केनेता बन गए थे। दीपक बैज और प्रभारी महासचिव सचिन पायलट ने फैसले को पलट कर आकाश शर्मा को कांग्रेस पार्षद दल का नेता घोषित कर दिया। 2025 के नगर निगम चुनाव में रायपुर में कांग्रेस सात वार्ड में ही जीत हासिल कर सकी। कांग्रेस से बगावत कर चुनाव लड़ने और जीत हासिल करने वाले आकाश शर्मा के आने से कांग्रेस के पार्षदों की संख्या आठ हो गई। पांच पार्षद आकाश के खिलाफ खड़े हो गए हैं।